वर्ष-07 , अंक - 152 दिनांक 17 नवंबर 2023 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2021-23

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

एमपी के मन में मोदी

"मोदी की गारंटी

यानि हर गारंटी के पूरी होने की गारंटी"

अगले 5 सालों तक गरीबों को मुफ्त राशन

₹450 में गैस सिलेंडर

किसानों से गेहूं - ₹2700 प्रति क्विंटल धान - ₹3100 प्रति क्विंटल खरीदेंगे

लाड़ली बहनों को मासिक आर्थिक सहायता के साथ पक्का मकान

हर परिवार से कम से कम एक सदस्य को रोजगार- स्वरोजगार देंगे

गरीब परिवार की छात्राओं को KG से PG तक मुफ्त शिक्षा

गरीब परिवार के छात्रों को 12वीं कक्षा तक मुफ्त शिक्षा

तेंदूपत्ता संग्रहण दर करेंगे ₹4,000 प्रति बोरा

हर गरीब परिवार के लिए पक्का घर पीएम आवास के साथ सीएम जन आवास योजना शुरू करेंगे

कमल का बटन दबाएं भाजपा को जिताएं

मोदी की गारंटी भाजपा का भरोसा

फिर इस बार भाजपा सरकार

प्रकाशक- एमपी बीजेपी, प्रदेश कार्यालय

चुनाव 2023

चेहरा

एक अदद

आशीष दुबे

तूफानों से आंख मिलाओ... मल्लाहों का चक्कर छोड़ो!

'ये तो चेहरे का फक़त अक्स है, तस्वीर नहीं..इस पर कुछ रंग अभी और चढ़ाते रहिए' मप्र के विधानसभा चुनाव में रोज उभरते रहे कुछ खास व गाढ़े चित्रों के पीछे ऐसे सियासी चित्रकारों की कूची भी काम करती रही जो चित्रों के रंगों को चटख बनाती है। सत्ता में जमी भाजपा हो या सत्ता पाने को बेताब कांग्रेस, दोनों शिविरों में चुनिंदा ऐसे चेहरे हैं, जो सोते-जागते चुनावी कैनवास में रंग उड़ेलते रहे। कुछ मैदान में नजर आते रहे हैं, कुछ वॉर रूम में। चेहरे के पीछे चेहरा तलाशने की कोशिश की आखिरी कड़ी में आज भाजपा के वरिष्ठ नेता व मुख्यमंत्री *शिवराज सिंह चौहान..*

जिंदगी की तरह ही राजनीति संभावनाओं के साथ किस्मत का भी खेल होती है। इसीलिये जब किस्मत की बात आती है तो शिवराज सिंह चौहान का नाम आता है। मप्र भाजपा में 18 साल पहले जब नेतृत्व का घमासान मचा था, तब कद्दावर चेहरों के बीच बतौर मुख्यमंत्री उनके नाम ने जबर्दस्त हलचल पैदा की थी, अब फिर 'चेहरे' को लेकर ही वे कांग्रेस के साथ ही कुछ अपनों के निशाने पर भी हैं। सवाल उठाए जा रहे हैं कि वे 'चेहरा' क्यों नहीं हैं। मगर हाइकमाान की निगरानी में हो रहे चुनाव में भी 'अपर हेंड' उन्हीं का रहा है, यह भी कम महत्वपूर्ण नहीं। हालांकि सत्रह बरस तक एक ही पद पर रहकर मप्र में उन्होंने रिकार्ड तो बना लिया लेकिन इस बार उनकी राह वाकई कठिन है या नये-नये चुनावी *प्रयोगों* से कठिन हो गई है, यह सामने आना बाकी है।

शिवराज अपने गांव जैत में नर्मदा नदी में कुशलतापूर्वक तैरते रहे हैं, ठीक वैसे ही जैसे वे बीते सत्रह साल सत्ता के *क्षीरसागर* में तैरते रहे हैं, लेकिन यह चुनाव *बहाव* के खिलाफ तैरने के कौशल दिखाने वाला भी है। नदी में तो वे *फ्रीस्टाइल व ब्रेक क्रॉल* भी दिखा चुके हैं। अब उन्हें दरिया खुद पार करना और कराना है। राहत इंदौरी ने जो लिखा था, वह भी मुफीद लगता है- 'तूफानों से आंख मिलाओ, सैलाबों पर वार करो,मल्लाहों का चक्कर छोड़ो तैर के दरिया पार करो।'

मप्र की सियासत में पिछले पांच वर्ष उथलपुथल के रहे हैं, ऐसे साल पहले नहीं रहे, इसलिये स्वाभाविक तौर पर इसकी छाया चुनावों पर भी है। भाजपा या शिवराज भी मानते ही होंगे कि डेढ दशक तक उन्हें प्रतिद्वंदी इतनी मजबूत नहीं मिला,जितना पांच वर्ष पहले मिला है और अब सामने है। भाजपा की केंद्रीय राजनीति में सक्रिय मप्र के एक बड़े नेता भी कहते हैं कि कांग्रेस को हम नंबरों से नहीं उसकी हर स्थान पर मौजूदगी से आंकते हैं..। वैसे, चुनाव में शिवराज के कुछ डायलाग्स चर्चित भी हुए हैं, जब उन्होंने कहा- 'मैं दुबला पतला जरूरी हूं, लेकिन लड़ता बहुत तेज हूं' या केंद्रीय नेतृत्व की मौजूदगी में जनता से उनका यह पूछना- मैं कैसी सरकार चला रहा हूं! बहरहाल इसके तमाम निहितार्थों के बीच शिवराज सियासी व चुनावी दरिया में फॉरवर्ड फ्रंट क्रॉल (तैराकी की सबसे तेज शैली) आजमाते नजर आए हैं, इन हालातों में जरूरत भी शायद यही थी... !

मालती राय

धुव नारायण सिंह

मतदान का उत्साह आम और खास दोनों में, सुबह से कतारें

विश्वास सारंग

भोपाल। मप्र में आज भोपाल समेत सभी जिलों गांव कस्बों में मतदान का दौर चल रहा है। पांच वर्ष पहले हुए मतदान के बाद मप्र में सत्तापरिवर्तन हुआ था और कांग्रेस की सरकार कुछ दिन सत्ता में रही थी, इसके गिरने के बाद फिर शिवराज सिंह के नेतृत्तव में भाजपा की सरकार बन गई। इस बार भी तमाम मुद्दों दावों के बीच मतदान की घड़ी है। कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने चुनाव के मतदान के लिए मतदान की अपील की है और कहा है कि सशक्त लोकतंत्र के लिए स्वच्छ और पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया आवश्यक है और पारदर्शी चुनाव के लिए मतदाताओं का जागरूक होना जरूरी है। यह चुनाव मध्यप्रदेश के भविष्य का निर्माण करेगा । वहीं भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा है कि मप्र लोकतांत्रिक मूल्यों को हमेशा से बढ़ाने में अग्रणी रहा है। विधानसभा चुनाव में प्रदेश के पुरूष, माता, बहनें पूर्ण मनोयोग से मतदान के लिये आगे आयेंगी और कीर्तिमान बनाकर प्रदेश के गौरव में चार चांद लगायेगी।

राजेन्द्र शुक्ला

अजय सिंह

मनोज शुक्ला

कंट्रोल रूम में बैठे नाथ, अफसरों से की बात

इधर मतदान के बाद छिंदवाड़ा से भोपाल लौटे कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने पार्टी कार्यालय स्थित कंट्रोल रूम में बैठकर इंदौर कमिश्नर, मुरैना के पुलिस अधीक्षक, भिंड और छतरपुर के कलेक्टर से फोन पर बात की। बताया जाता है कि उन्होंने मुरैना के दिमनी में पार्टी के पदाधिकारी से बात की। उन्होंने मीडिया से कहा कि मुरैना के पुलिस अधीक्षक भाजपा कार्यकर्ता की तरह काम कर रहे हैं। इंदौर के कमिश्नर से भी उन्होंने कहा कि आपकी कार्य प्रणाली को लेकर पार्टी कार्यकर्ता शिकायत कर रहे हैं। छतरपुर के राजनगर से कांग्रेस प्रत्याशी विक्रम सिंह से उन्होंने फोन पर बात की और मीडिया में चल रही गोली चलने की घटना के बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के प्रदेश को लेकर आगामी रोड मैप संबंधी बयान पर उन्होंने कहा कि भाजपा को उन्हें अपना चेहरा तक नहीं ही बनाया। नाथ ने कहा कि मतदाता सच्चाई का साथ देंगे।

इस बार शतायु मतदाताओं की संख्या 5,253, इसमें महिलाएं 3,761

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश में 100 की उम्र पार कर चुके यानि शतायु मतदाताओं की संख्या 5,253 है। इनमें महिलाओं की संख्या 3,761 है। प्रदेश में सबसे अधिक 318 शतायु वोटर

सीहोर जिले में सबसे अधिक 318, सबसे कम 13 मतदाता श्योपुर जिले में हैं

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान के गृह जिले सीहोर में हैं। वहीं सबसे कम 13 मतदाता कुपोषण के लिए बदनाम रहे श्योपुर जिले में हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, 165 वोटर भोपाल में ऐसे हैं, जिनकी उम्र 100 साल से अधिक है। इनमें 100 महिलाएं हैं। सबसे अधिक सीहोर में 231 पुरूष और 87 महिला वोटर्स हैं। ग्वालियर में 129 शतायु वोटर हैं। जिसमें 91 महिलाएं और 38 पुरुष हैं। इंदौर जिले में 172 शतायु वोटर हैं। जिसमें 105 महिलाएं और 67 पुरुष हैं। जबलपुर में 60 वोटर 100 की उम्र के हैं। इनमें 37 महिलाएं और 23 पुरुष हैं। उज्जैन में 248 पुरूष एवं 68 महिला वोटर हैं। रीवा में 165 पुरूष 95 महिला वोटर, देवास में 206 पुरूष 57 महिला, सागर में 240 पुरूष 62 महिला और राजग? में 142 पुरूष 59 महिला वोटर्स हैं।

यशोधरा राजे सिंधिया, शिवपुरी में

चुनाव में लगी लो फ्लोर बसें, निजी टैक्सी–ऑटो वाले काट रहे चांदी

मतदान प्रक्रिया के लिए 368 में से बीसीएलएल की 145 बसें अधिग्रहीत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

चुनाव में कई बार आम नागरिकों की मुश्किलें बढ़ जाती है। इस बार भी कुछ ऐसा ही हो रहा है। शहर में नागरिकों को लोक परिवहन सेवाओं के लिए इंतजार करना पड़ रहा है। ऐसा इसलिए क्योंकि बीसीएलएल की 368 में से करीब 145 बसें चुनाव ड्यूटी के लिए लगा दी है, जो कि जरूरी भी था। इसके कारण इतनी बसें विभिन्न रूटों पर कम हो गई है। इसका फायदा निजी टैक्सी व आटो वाले उठा रहे हैं। ये यात्रियों से मनमाना किराया वसूल रहे हैं। अधिक किराया को लेकर जब यात्री आपत्ति दर्ज कराते हैं तो इनका कहना होता है कि पता है न चुनाव है, सभी बसें वहीं लगी है।

उल्लेखनीय है कि बुधवार सुबह से ही शहर में बीसीएलएल की लो फ्लोर बसों की संख्या कम हो गई थी। आज चुनाव वाले दिन तो और भी दिक्कतें हैं। शहर के अलावा बाहर के शहरों में जाने वाली निजी बसों की संख्या भी कम है। गिनी–चुनी बसें मिल रही है। इसका असर यह है कि ट्रेनों पर दबाव बढ़ गया है। भोपाल व रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की भीड़ है। कई लोग तो चुनाव में लोक परिवहन सेवाओं में कमी का अहसास करते हुए घरों से ही नहीं निकले हैं। ऐसे लोगों ने अपने जरूरी काम टाल दिए हैं। अधिकारियों का कहना है कि चुनाव में मतदान प्रक्रिया के लिए जिले में 694 अधिग्रहीत किए गए हैं। इनमें 456 स्कूली बसें, 145 बीसीसीएल की बसें, 21 ट्रक, कार और वेन के अलावा सरकारी विभागों और अफसरों की गाड़ियां भी शामिल है। इन वाहनों को 17 नवंबर को मतदान के बाद कर्मचारियों और चुनाव सामग्री को वापस लाल परेड ग्राउंड तक छोड़ना है। ऐसे में शुक्रवार देर रात ये वाहन अधिग्रहीत रहेंगे और शनिवार से सिटी बसों का परिवहन सामान्य हो सकेगा।

भाद्रपद शुक्ल पक्ष-4, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07 , अंक - 152 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2021-23

भोपाल
17 नवम्बर 2023
शुक्रवार

आज का मौसम
32 अधिकतम
19 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

शिवराज सिंह ने जैत,कमलनाथ ने छिंदवाड़ा में डाला वोट, दिमनी में फायरिंग, महू में कांग्रेसियों पर तलवार से हमला,छतरपुर में हत्या

वोटर्स का दिन 45% मतदान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में आज नयी सरकार के लिए सभी 230 विधानसभा सीटों के लिए मतदान जारी है। दोपहर 2 बजे तक करीब 45 प्रतिशत मतदान हो चुका है। सुबह दस बजे तक ही लगभग 12 फीसद मतदान हो चुका था। कुछ घटनाओं को छोड़कर मतदान आमतौर पर शांतिपूर्वक हो रहा है। मप्र में 64,523 मतदान केंद्रों पर मतदान जारी है। इनमें 47,760 ग्रामीण और 16,763 शहरी क्षेत्रों में हैं। शांतिपूर्ण मतदान के लिए केंद्रीय अर्धसैनिक बल, राज्य सशस्त्र बल, जिला पुलिस, होमगार्ड सहित विशेष पुलिस है। 35 हजार मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग के माध्यम से नजर रखी जा रही है। आम मतदाताओं के साथ ही भाजपा और कांग्रेस के उम्मीदवार भी मतदान करने परिवार समेत पहुंच रहे हैं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सपरिवार सीहोर के जैत में मतदान किया। सीएम ने परिवार के सदस्यों के साथ सीहोर जिले के आदर्श मतदान केंद्र ग्राम जैत के शासकीय माध्यमिक शाला भवन में मताधिकार का उपयोग किया। मतदान करने से पहले सीएम शिवराज ने मां नर्मदा का पूजन किया और जैत गांव के मंदिर में पहुंचकर भगवान का आशीर्वाद लिया। इस दौरान उनकी पत्नी साधना सिंह भी साथ रहीं। मंदिर के बाहर बड़ी संख्या में महिलाओं ने सीएम को घेर लिया और उनका तिलक किया। सीएम ने लाडली बहनों को गले से लगाकर आभार जताया। उन्होंने मीडिया से कहा कि यह मतदान विकास के नाम पर हो रहा है और लाडली बहना राजीनति का मुद्दा नहीं हैं लेकिन उनका आर्शीवाद मेरे साथ है।

शिवराज सिंह चौहान जैत में

कमलनाथ छिंदवाड़ा में

कमलनाथ ने डाला वोटः कांग्रेस अध्यक्ष व पूर्व सीएम कमलनाथ ने भी अपने बेटे नकुलनाथ और बहू प्रिया नाथ के साथ शिकारपुर में मतदान किया। कमलनाथ ने मतदान से पूर्व शिकारपुर स्थित मंदिर में पहुंचकर पूजन भी किया। इसके बाद वे सौंसर विधानसभा के ग्राम शिकारपुर में मतदान करने के लिए पहुंचे। चुनाव प्रचार का शोर थमने के बाद से ही वे छिंदवाड़ा में हैं। वहीं गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने दतिया में मतदान किया। मतदान करने से पहले वे पीतांबरा पीठ पहुंचे और मां पीतांबरा और वनखंडेश्वर महादेव के दर्शन कर आशीर्वाद लिया।

कांग्रेस उम्मीदवार के समर्थक की हत्याः मतदान के बीच छतरपुर में कांग्रेस प्रत्याशी विक्रम सिंह नाती राजा के समर्थक की कार से कुचलकर हत्या की घटना सामने आई है। वहीं मेहगांव विधानसभा कांग्रेस प्रत्याशी राहुल सिंह भदोरिया के गांव मानहड़ में भाजपा प्रत्याशी राकेश शुक्ला पर हमला हुआ। भाजपा प्रत्याशी के समर्थकों व सुरक्षा कर्मियों ने फायरिंग कर उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला। भाजपा प्रत्याशी राकेश शुक्ला शिकायत दर्ज कराने गोरमी थाना पहुंचे।

भाजपा, कांग्रेस व बसपा प्रत्याशी नजरबंद

चंबल में विशेष एहतियात बरते जा रहे हैं। मतदान के दौरान तनाव व उत्पात को रोकने के लिए मुरैना में सुमावली विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी एदल सिंह कंषाना, बसपा प्रत्याशी अजब सिंह कुशवाह व बसपा प्रत्याशी कुलदीप सिंह को नजरबंद कर दिया गया है। यह कदम सुमावली क्षेत्र में पूर्व चुनाव में हुई हिंसक वारदातों को देखते हुए प्रशासन ने लिया है। सुमावली क्षेत्र के कई मतदान केंद्रों पर तनाव की स्थिति बनी हुई थी। इसलिए भी प्रशासन एहतियातन यह कदम उठाया है।

हरदा में करंट से युवक की मौत

हरदा के धनगांव में मतदान केंद्र पर वोटिंग के लिए पहुंचे चार लोगों को बिजली के तार से करंट लग गया। इस हादसे में 27 वर्षीय युवक की मौत हो गई। इस घटना के बाद मतदान केंद्र पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल हो गया। घटना के बाद मतदान बंद हो गया। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने हंगामा करना शुरू कर दिया। अधिकारी मौके पर पहुंचे।

सिर्फ मुंह जुबानी से काम नहीं चलेगा, मतदान भी जरूरी

सवा महीने से ज्यादा चल रही मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में अगले पांच साल के लिए सरकार चुनने की घड़ी है। चुनाव के नतीजे तय करेंगे कि मतदाता के मन में आखिर क्या है? सरकारी खजाने पर डाका डालने वाली सस्ती लोकप्रियता से भरी मुफ्तखोरी की योजनाओं के वादे हैं या दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र कहे जाने वाले देश को सबसे ज्यादा परिपक्व लोकतंत्र बनाने का कोई विचार मतदाता के मन में है? यह चुनाव देश के हित में बड़ी बड़ी बातें करने लेकिन मतदान से परहेज करने वाले मतदाताओं की भागीदारी का चुनाव है या फिर मुफ्तखोरी के सब्जबाग में फंसने और मतदान के पहले बांटी जाने वाली शराब पीकर वोट डालने वालों का चुनाव है?

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

अमेरिका में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कंट्री फर्स्ट(सबसे पहले देश) का नारा देकर चुनाव लड़ा था। लेकिन क्या मध्यप्रदेश में मतदान करने वालों के दिमाग में वोट डालने के पहले दल से पहले देश या धर्म से पहले जाति का यह चुनाव है? शायद नहीं। इस देश के लोग भले ही सबसे पहले देश की बातें करते दिखें लेकिन उनके जेहन में धर्म या मजहब और जात-पांत सवार रहता है। हम विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भले ही हैं लेकिन उसको विश्व का सबसे मजबूत और परिपक्व लोकतंत्र बनाने में कितना वक्त लगेगा वह राजनीतिक दलों की दशा और दिशा को देखकर फिलहाल तो मुमकिन नहीं दिखता है। इसी के चलते मध्यप्रदेश सहित अन्य सूबों में फ्री बीज यानि मुफ्तखोरी से भरे वादों की होड़ पूरे चुनावों के दौरान चलती रही। मेरी साड़ी तेरी साड़ी से सफेद कैसे है यह जताने के जतन हावी रहे। यह वादे कैसे पूरे होंगे? इन्हें पूरा करने पर होने वाले खर्च का इंतजाम कैसे होगा? इसका भार आखिर किस पर पड़ेगा, इसकी फिक्र शायद किसी को नहीं है। इसलिए घोषणापत्रों में बढ़ चढ?र वादों की होड़ लगी रही। मुफ्त की बिजली से लेकर मुफ्त राशन की घोषणाएं होती रहीं। लाड़ली बहनों को हर महीने नवाजने से लेकर नारी सम्मान योजना चलाने में भी बड़े-बड़े वादों की भरमार रही। अब तो वक्त आ गया है जबकि सुप्रीम कोर्ट से लेकर निर्वाचन आयोग तक इस बात में दखल दे। वह राजनीतिक दलों को यह बताना भी अनिवार्य करे कि वह जो वादे कर रही है, उसे कहां से पूरा करेगी। नए टेक्स लगाकर या पुराने बढ़ाकर आम नागरिकों की जेब काटकर यह काम होगा या फिर कर्ज की संस्कृति को बढ़ावा देकर सत्ता से सिंहासन पर पहुंचने की कवायद होगी? यह नहीं बता पाने की स्थिति में अदालत या आयोग को यह हक होना चाहिए कि वह संबंधित वादे को खारिज करे। उसे घोषणापत्र में शामिल करने से रोके।

वोट न डालने वाले तथाकथित मध्यम वर्ग और उच्च वर्ग के लोगों को मात्र माले मुफ्त दिले बेरहम की संस्कृति को आत्मसात करने वालों को सरकारों से यह भी पूछना होगा कि क्या वह देश में सिर्फ टेक्स चुकाने के लिए पैदा हुए हैं? अगर मुफ्तखोरी हो ही रही है तो देश में सीनियर सिटीजन को क्या सुविधा सरकार दे रही है या फिर रेलवे टिकट में कोरोना के वक्त अस्थाई तौर पर रोकी गई 46 प्रकार की रियायतों को स्थाई रूप से बंद करके रखेगी?

मुफ्तखोरी के दूसरे वादे करने वाली सरकारों को वित्तीय भार क्या सिर्फ मध्यम वर्ग के नाम पर नजर आता है? इसीलिए पांच साल के लोकतंत्र के महायज्ञ में आहूति देने की जिम्मेदारी सभी की है। सरकारों को कोसने के लिए केवल मुंह जुबानी में उर्जा खर्च करने से कुछ हासिल होने वाला नहीं है। इसलिए सरकारों को जिम्मेदार बनाने और देश सबसे पहले का भाव भरने और भारत को विश्व का सबसे बड़ा और परिपक्व देश बनाने के लिए मतदान केंद्र तक जाने की जहमत सभी को उठाना होगी।

मशीन खराब हुई तो सिंधिया ने बदला मतदान का समय

ग्वालियर के मतदान केंद्र सरस्वती शिशु मंदिर पर एक ईवीएम खराब होने पर केंद्रीय मंत्री सिंधिया को लौटना पड़ा। बताया जाता है कि शिशु मंदिर के मतदान केंद्र क्रमांक 247 की मशीन खराब हो गई थी इसलिये कई मतदाता वापस लौट गये। ज्योतिरादित्य सिंधिया एयरपोर्ट से मतदान केंद्र पहुँच रहे थे लेकिन ऐनवक्त पर उनका काफिला महल कर तरफ मुड गया। हालांकि बाद में उन?होंने मतदान केंद्र पहुंचकर मतदान किया।

इंदौर में ताबडतोड वोट पड़े-इंदौर के विधानसभा क्षेत्र 5 में आने वाले शासकीय हिंदी माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 27 मालवा मिल पर शुरूआती तीन घंटे में ही 25 फीसद से अधिक मतदान हुआ। यहां एक साथ मतदान केंद्र 16, 17 और 18 बनाए गए हैं। यहां नौ बूथ हैं, जहां पंचम की फेल, गोमा की फेल के मतदान कर रहे हैं। जबकि मुरैना के बड़ापुरा में साढ़े दस बजे तक कोई भी मतदाता वोट डालने नहीं पहुंचा था। जबकि यहां 734 मतदाता है। जो प्राइमरी स्कूल चालू करने की मांग कर रहे थे। माना जा रहा है कि मांग पूरी न होने पर ग्रामीणों ने वोट नहीं डाला है।

नकुलनाथ को भाजपा ने बूथ पर रोका,हंगामा

छिंदवाड़ा सांसद नकुलनाथ को नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष विजय पांडे ने मतदान केंद्र में जाने से रोका, तो इस बात पर हंगामा हो गया। नकुल राजपाल चौक स्थित पोलिंग बूथ पर निरीक्षण करने पहुंचे थे। नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष विजय पांडेय ने उन्हें वार्ड 25 बरारीपुरा के बूथ 25 के अंदर जाने नहीं दिया। नाथ ने कहा कि उन्हें जानकारी मिली थी कि भाजपा नेता महिलाओं से बदतमीजी कर रहे हैं व धमका रहे हैं,यह देखने व अपने पोलिंग एजेंट्स से मिलने वे पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि यह कहना गलत है कि मैं बूथ के अंदर जा रहा था। छिंदवाड़ा से नकुल नाथ के पिता कमलनाथ कांग्रेस प्रत्याशी हैं।

कृष्णा गौर और वीडी शर्मा

कांग्रेस समर्थक का सिर फोड़ा

ग्वालियर में पूर्व विधानसभा में भाजपा समर्थक ने कांग्रेस समर्थक का सिर फोड़ने की खबर है। हालांकि पुलिस ने पुष्टि नहीं की है। बताया जाता है कि थाटीपुर में भाजपा प्रत्याशी माया सिंह समर्थक रूप सिंह गुर्जर ने कांग्रेस प्रत्यशी सतीश सिकरवार के समर्थक दीपक शर्मा से विवाद हो गया। विवाद में रूप सिंह गुर्जर ने दीपक शर्मा का सिर फोड़ दिया।

बहुमत पर यशोधरा बोलीं- कैसे कह दूं...खेल मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने शिवपुरी में मतदान किया तथा वोट डालने के बाद पत्रकारों द्वारा प्रचंड बहुमत मिलने के सवाल पर कहा कि मैं इस बार अपनी तबीयत खराब होने के कारण घूम नहीं पाई, इसलिए इस पर मैं कैसे टिप्पणी दूं। फिर भी शिवराज सिंह ने बहुत मेहनत की है, उनकी मेहनत रंग लाए यही कामना है। ज्ञात हो कि शिवपुरी विधानसभा क्षेत्र से यशोधरा चुनाव नहीं लड़ रही हैं। उन्होंने अपने स्वास्थ्यगत कारणों का हवाला देकर इस बार चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया था।

मेट्रो एंकर

आज हो रहा छग में 70 सीटों पर मतदान

सुरक्षाबलों पर नक्सली हमला, आईईडी ब्लास्ट

रायपुर , एजेंसी।

छत्तीसगढ़ में आज दूसरे और अंतिम चरण के लिए 70 सीटों पर मतदान हो रहा है। इस बीच धमतरी में सीआरपीएफ की टीम पर नक्सली हमला हुआ है। गस्त पर निकले सीआरपीएफ और डीआरजी टीम पर नक्सलियों ने एक के बाद एक आईईडी ब्लास्ट किए. इस दौरान बाइक में सवार 2 जवान बाल-बाल बचे। बताया जाता है कि सुरक्षाबलों की टीम मतदान दल को सुरक्षा प्रदान करने निकली थी . मौके पर दो ढ्ढश्वष्ठ होने की पुष्टि हुई है। नक्सलियों द्वारा सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाने के लिए यह ब्लास्ट किया गया था। कल ही नक्सलियों के द्वारा मतदान बहिष्कार के बैनर-पोस्टर भी लगाए गए थे। इसे देखते हुए चुनाव आयोग द्वारा नक्सल प्रभावित इलाकों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

आज हो रही है 70 सीटों पर वोटिंगः छग में कुल 90 में विधानसभा सीटों में से 70 सीटों के लिए आज दूसरे चरण में मतदान हो रहा है। इससे पहले 20 सीटों पर पहले चरण में वोटिंग हुई थी। राज्य में विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद बस्तर में कई स्थानों से चुनाव बहिष्कार के आह्वान से संबंधित नक्सली बैनर और पर्चे बरामद किए गए थे।

सुविचार

`` समय बहाकर ले जाता है नाम और निशां कोई `हम' में रह जाता है तो कोई `अहम' में ''

-अज्ञात

संपादकीय

छोटी राहत, बड़ी शुरुआत

पिछले कई दिनों से इस्राइल और हमास के बीच जंग का मैदान बने गाजा के लोगों को भारी नुकसान के बाद कुछ राहत मिल रही है। हालांकि नुकसान के मुकाबले यह एक छोटी सी राहत के रूप में देखी जा सकती है मगर जरूरी तो है ही कि कुछ शुरूआत हो और शांति की तरफ कदम बढें। इस युद्ध में अब रोज चार घंटे का मानवीय विराम देने पर सहमति बन गई है। हालांकि जिस युद्ध में चंद दिनों के अंदर करीब ग्यारह हजार फलस्तीनी मारे जा चुके हैं और सिविलियन ठिकानों पर भी लगातार बम बरस रहे हैं, वहां इस चार घंटे के विराम को पहली नजर में नाकाफी ही कहा जाएगा। जरूरत तो इस युद्ध को तत्काल बंद करने की है, लेकिन इस्राइल ऐसे किसी प्रस्ताव को फिलहाल स्वीकार करने को तैयार नहीं है। फिर भी, मौजूदा हालात में रोज गाजा के किसी इलाके में चार घंटे का युद्ध विराम घोषित करने और उत्तरी गाजा में दो मानवीय गलियारा खोलने पर हुई इस सहमति को सभी पक्ष सकारात्मक तरीके से देख रहे हैं। कई वजहों से इसे अहमियत दी जा रही है। अव्वल तो यह कि दुश्मन पक्ष को बर्बाद कर देने के जुनून के बीच यह थोड़ा सोच-विचार करने की मानसिकता के लिए गुंजाइश बनाती है। दूसरी बात यह कि इससे मौत के खतरों से घिरे फलस्तीनी नागरिकों को जान-माल की रक्षा के लिए सुरक्षित इलाकों में जाने का मौका मिलेगा। तीसरी बात यह कि इन मानवीय गलियारों का इस्तेमाल करते हुए गाजा के लोगों के लिए जरूरी मानवीय राहत सामग्री पहुंचाई जा सकेगी। चौथी और सबसे अहम बात यह है कि इसका इस्तेमाल बंधकों की रिहाई के मकसद को आगे बढ़ाने में भी हो सकता है। हालांकि इस चौथी और आखिरी संभावना के साथ कई सारे किंतु-परंतु जुड़े हुए हैं। बंधकों की रिहाई के प्रयासों से जुड़े लोगों का कहना है कि अगर युद्ध विराम और मानवीय गलियारे का सही ढंग से इस्तेमाल किया जाए तो बंधकों को गाजा से बाहर निकालना संभव हो सकता है। एक बार यह हो गया तो अनजाने ही हवाई हमलों में इनके मारे जाने की आशंका कम हो जाएगी, वे ज्यादा सुरक्षित रहेंगे और फिर उन्हें छोड़े जाने पर सहमति बनाना भी अपेक्षाकृत आसान होगा। ध्यान रहे, इन बंधकों में 40 से ज्यादा देशों के नागरिक हैं।

हमास का खात्मा करने के नाम पर चलाए जा रहे इस्राइली अभियान को नियंत्रित किए जाने की जरूरत पर अभी अगर बहुत सारे देश कुछ नहीं कह रहे तो उसकी एक वजह यह भी है कि वे पहले बंधक बनाए गए अपने नागरिकों की सुरक्षित रिहाई सुनिश्चित कराना चाहते हैं। इस लिहाज से यह माना जाना चाहिये कि युद्ध से राहत का जो सांकेतिक कदम उठाया गया है, वह आगे चलकर इस युद्ध को फैलने से रोकने और फिर धीरे-धीरे बंद करने में भी मददगार हो सकता है। ऐसा तभी होगा, जब सभी संबंधित पक्ष संवेदनशीलता और समझदारी दिखाते हुए इस मौके का सही इस्तेमाल करेंगे। वैश्विक बिरादरी को भी चाहिये कि अब इन युध्द के पीछे के मामले और मतभेद के बजाए मानवता की रक्षा के लिये आवाज बुलंद करें। रूस व यूक्रेन युध्द मानवता को ऐसे कितने जख्म दे चुका है, यह याद रखा जाना चाहिये।

निशाना

पाने खातिर वोट !

-कृष्णेन्द्र राय

बोल रहे अपशब्द अब ।
पाने खातिर वोट ।।
मिल जाए बस मौका ।
इसलिए ये चोट ।।
बोल कर अब कुछ भी ।
होगा रहना व्यस्त ।।
बुरा नहीं पर हम ।
करते ये आश्वस्त ।।
है लेकिन मजबूरी ।
करें इसे स्वीकार ।।
बढ़ गईं यदि सीटें ।
है बड़ा उपहार ।।
ज़ोर आजमाईश ।
ऐसे चलने वाली ।।
ना समझना इसको ।
पुलाव पर ख़याली

आज का इतिहास

- 1525- मुग़ल शासक बाबर ने भारत को जीतने के मकसद से सिंध के रास्ते पांचवीं बार प्रवेश किया।
- 1869-इंग्लैंड के जेम्स मूरी ने 13 हजार किलोमीटर लंबी पहली साइकिल रेस जीती।
- 1900-प्रसिद्ध भारतीय राजनीतिज्ञ श्रीमती सरोजिनी नायडू की पुत्री पद्मजा नायडू का जन्म। जिन्होंने अपना सारा जीवन भारत के हितों के लिए समर्पित कर दिया था।
- 1932 -तीसरे गोलमेज सम्मेलन की शुरुआत हुई।
- 1933-अमेरिका ने सोवियत संघ को मान्यता देते हुए व्यापार के लिए सहमति दी।
- 1966-भारत की रीता फारिया ने मिस वर्ल्ड का खिताब जीता। मिस वर्ल्ड बनने वाली वह पहली एशियाई महिला थी।
- 1970-रानी लक्ष्मीबाई का एक महत्वपूर्ण पत्र जो की उन्होंने ईस्ट इंडिया कंपनी के गवर्नर जनरल लॉर्ड डलहौज़ी को लिखा था लन्दन में ब्रिटिश लाइब्रेरी के आर्काइव्स में मिला हैं।

चुनावी राजनीति में सत्ता और सट्टे का खतरनाक खेल

आलोक मेहता

दीपावली का त्यौहार चल रहा है और समाज की धूमधाम के साथ नेताओं को भी रामायण और महाभारत के सही या गलत तथ्यों के कारण विवादों में उलझना पड़ रहा है द्य महाभारत काल से जुआ सबसे बड़े सत्ता के युद्ध का कारण माना गया द्य इसी तरह भारत में सट्टा. जुआ और शराब की अवैध अरबों रुपयों की कमाई तथा नेताओं की भागेदारी इस समय बड़ा चुनावी मुद्दा बन गया है द्य छत्तीसगढ़ में सट्टे के धंधे के तार सत्ताधारी नेताओं से जुड़े मामलों पर छापेमारी ए गिरफ्तारी और गंभीर आरोपों के साथ अदालत में गुहार लग रही है द्य मध्य प्रदेश में एक बड़ी शराब निर्माता कंपनी पर करोड़ों के आय कर की चोरी को लेकर देश के 50 ठिकानों पर छापेमारी हुई है द्य इसमें भी राजनेताओं को अवैध कमाई देने ए चुनाव में धन और शराब बांटने के आरोप लग रहे हैं द्य शराब के धंधे से अवैध कमाई के आरोप में दिल्ली की आम आदमी पार्टी के नेता पूर्व मंत्री महीनों से हिरासत में हैं और अदालत से जमानत तक नहीं मिल पा रही है द्य

बहुत कम लोगों को यह जानकारी होगी कि दुनिया में शराब के व्यापार में भारत तीसरे नंबर पर है द्य करीब तीरं अरब डालर शराब की कमाई है द्य भारत की शराब संपन्न विकसित देशों तक बिक रही है द्य लेकिन भारत में इसके ठेकों पर सरकारी अंकुश . नियमों के कारण अवैध कमाई नेताओं . अधिकारियों तक भ्रष्टाचार के रुप में जाती है द्य मतलब शराब ए सट्टा और क्रिकेट के खेल पर भी सट्टे को लेकर अरबों का धंधा फल्ल फूल रहा है द्य समय के साथ धंधे में आधुनिक टेक्नोलॉजी का प्रभाव भी आ गया है द्य भारत में घुड़दौड़ और लॉटरी कानूनी हैं। घुड़दौड़ में कुछ पूर्व कौशल शामिल हैंए इसलिए यह जुआ के बारे में नहीं है द्य कई भारतीय राज्यों ने लॉटरी को वैध कर दिया है। ये गोवाए केरलए अरुणाचल प्रदेशए असमए महाराष्ट्र मध्य प्रदेशए मिज़ोरमए मणिपुरए मेघालयए पंजाबए नागालैंडए पश्चिम बंगाल और सिक्किम हैं द्यऑनलाइन जुआ और भूमि.आधारित कैसीनो को गोवाए सिक्किमए नागालैंड और दमन में सार्वजनिक जुआ अधिनियमए 1976 के तहत वैध किया जाता है द्य महाराष्ट्र ने जुआ को प्रतिबंधित कर दिया है और जुआ खेलने के बॉम्बे रोकथाम के तहत जुआ को अवैध मानते हैं द्य ई.गेमिंग ;चांस के खेलद्ध को सिक्किम और नागालैंड में वैध किया गया है द्यतेलंगाना और अरुणाचल प्रदेश कौशल के खेल को तेलंगाना राज्य गेमिंग अधिनियमए 1974 के अनुसार अवैध मानते हैं द्यअखिल भारतीय गेमिंग फेडरेशनए रम्मी फेडरेशन और फेडरेशन ऑफ इंडियन फैंटेसी स्पोर्ट्स ने अपने सभी विज्ञापनों के लिए एक स्व.विनियमन कोड अपनाया है। भारत में जुआ सट्टा खेलना दंडनीय अपराध है। विडंबना यह है कि फिर भी इस देश में करोड़ों अरबों का जुआ सट्टा चलता है।

केंद्र सरकार ने पिछले दिनों महादेव बेटिंग ऐप समेत 22 अवैध बेटिंग ऐप्स और वेबसाइट को ब्लॉक करने का आदेश दिया है द्य इसमें ष्महादेव बुक ऑनलाइनष् और प्रेडीयान्ना प्रेस्टोप्रोष् प्लेटफॉर्म शामिल है द्य सरकार का ये आदेश ऐसे समय आया है जब इंफोर्समेंट डायरेक्टोरेट ;ष्मद्ध महादेव ऐप के खिलाफजांच कर रही है द्य इस मामले ने चुनावी राज्य छत्तीसगढ़ की राजनीति गर्माई हुई है द्य राज्य के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल तक पर इस बेटिंग ऐप को स्थापित करने में मदद करने के आरोप लगे हैं द्य महादेव सट्टा एप मामले में भारतीय प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने 14 आरोपियों के खिलाफविशेष अदालत में अपराधिक परिवाद को पेश किया है। ईडी का यह अपराधिक परिवाद करीब दस हजार पन्नों का है। ईडी ने महादेव सट्टा एप मामले को 6 हजार करोड़ का बताया है।महादेव सट्टा एप मामले में भारतीय प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने 14 आरोपियों के खिलाफविशेष अदालत में अपराधिक परिवाद को पेश किया है। ईडी का यह अपराधिक परिवाद करीब दस हजार पन्नों का है। ईडी ने महादेव सट्टा एप मामले को 6 हजार करोड़ का बताया है। ईडी ने कोर्ट को बताया है कि प्रारंभिक तौर पर 41 करोड़ की संपत्ति अटैच की गई है। महादेव सट्टा एप मामले में ईडी ने अदालत में 9084 पन्ने का परिवाद पेश किया है। इनमें अपराधिक परिवाद 197 पन्नों का जबकि इससे संबंधित अभिलेख 8887 पन्नों का है। मामले की अगली सुनवाई 25 नवंबर को होगी। महादेव ऐप का फाउंडर सौरभ चंद्राकर बेहद सामान्य परिवार से है द्य 2018 से पहले वह भिलाई में रहता था और ष्महादेव जूस सेंटरष् चलाता थाण् उस समय उसे ऑनलाइन ऐप्स पर सट्टा खेलने का शौक लग गया और इसी बीच 10 से 15 लाख रुपए का घाटा कर लिया द्य महादेप ऐप का को.फाउंडर रवि उप्पल भी सौरभ का पुराना दोस्त है द्यफिर आया वो दौर जब दोनों पर पैसे की बारिश हुईण् दोनों दुबई गए और किसी तरह पैसे जुटाने में सफल रहेण् इसके बाद दोनों ने मिलकर खोली ष्महादेव बुक ऐपष्ण् सौरभ चंद्राकर ने इसका नाम अपने छत्तीसगढ़ के भिलाई वाले जूस सेंटर के नाम पर ही रखा द्य इस ऐप को डेवलप करने का काम भारतीय और यूरोपीय कोडर्स ने कियाण् इसे 2020 में लॉन्च किया गयाण् फिर दोनों ने मिलकर इस ऐप के 2ए000 से ज्यादा सेंटर खोले द्यसौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल ने ष्महादेव ऐपष् का कारोबार फैलाने के लिए कमीशन मॉडल अपनायाण् जो भी लोग ऐप पर सट्टा खिलाने का सेंटर चलातेए उन्हें कलेक्शन के हिसाब से कमीशन मिलताण् ईडी की जांच में कहा गया है कि सेंटर्स पर भारी संख्या में कलेक्ट होने वाला कैश हवाला नेटवर्क के माध्यम से दुबई भेजा जाता थाण् इसमें दाऊद इब्राहीम की गैंग के आदमी उनकी मदद करते थे द्यमहादेव बुक ऐप पर कई तरह के गेम्स लोगों को ऑफर किए जातेण् इसमें पोकरए कार्ड गेमए चांस गेमए बैडमिंटनए टेनिसए फुटबॉल और क्रिकेट शामिल है। खेलों के आनलाइन गेमिंग एप महादेव के खिलाफ कई शिकायतें मिलने के बाद प्रवर्तन निदेशालय ने जब शिकंजा कसा तो ये पता लग रहा है कि इस एप के जरिए बड़े स्तर पर खेलों की अवैध सट्टेबाजी का धंधा भी चल रहा था द्य भारत में क्रिकेट का सट्टाबाजार इतना बड़ा और इतनी मोटी रकम का है कि जानकर हैरानी हो सकती है द्य ऐसा लगता है कि कई गेमिंग एप भी इस काले कारोबार का हिस्सा बन रहे हैंण् सारी कोशिश के बाद भी सट्टेबाजी पर कभी शिकंजा नहीं कसा जा सकाण् है द्य भारत का सट्टा बाजार करीब तीन लाख करोड़ या इससे अधिक रकम का है द्य ये लगातार तेजी से बढ़ रहा हैण् ज्यादातर सट्टेबाजी अंडरवर्ल्ड के माफिया अपराधियों द्वारा संचालित होती है द्य वो किसी न किसी रूप में खेल और खिलाडियों दोनों को अपने तरीके से प्रभावित करने की कोशिश में लगे रहते हैंण् वो अपने फायदे में मैचों को फिक्स कराना चाहते हैंण् इसको लेकर खिलाडियों पर फांसने की कोशिश होती है ।

कई बार खिलाडियों को धमकियां भी मिलती रहती हैं द्यपिछले कुछ बरसों में एशियाई मुल्कों में मैच फिक्सिंग और स्पाट फिक्सिंग की घटनाएं भी इसलिए बढ़ रही हैं द्य ज्यादातर मैचों पर फिक्सरों की निगाह लगी होती हैण् हम ये देख चुके हैं कि सट्टेबाजी पर रोकथाम की जितनी कोशिश हाल के बरसों में हुई हैए इसने अपने पैर उतने ही ज्यादा फैलाए हैं द्य वैसे नई तकनीक ने सट्टेबाजी के फैलाव को तेज किया है द्य बहुत सी इंटरनेशनल गैम्बल वेबसाइट्स भारतीय नागरिकों को आनलाइन जुआ खेलने या सट्टेबाजी करने का निमंत्रण देती हैं द्य इसमें भी भारत से करीब दस हजार करोड़ रुपये से ऊपर की रकम का सट्टा लगाया जाता है द्य क्रिकेट में सट्टेबाजी की निगरानी आसान नहीं है द्य ये काला धन अवैध सट्टेबाजी के संचालकों के जरिए उन हाथों तक पहुंचता हैए जो देश में सुरक्षा औऱ प्रगति में सेंध लगा रहे हैं द्य कुछ समय पहले काले धन पर गठित स्पेशल इन्वेस्टिगेटिव टीम यानि एसआईटी ने भी क्रिकेट में सट्टेबाजी और काले धन के रिश्तों की बात कही थी द्यबहुत हद तक सट्टेबाजी में लगने वाला धन आपराधिक जगत की तमाम गतिविधियों का हिस्सा भी बनता है द्य भारत जैसे देश में भी खेलों की सट्टेबाजी पर लगने वाले धन से सबसे ज्यादा फायदे में अंडरवर्ल्ड और माफिया रहते हैं। क्रिकेट में सट्टेबाजी का धंधा हर मैच पर करीब दो अरब डालर ;दो सौ करोड़ रुपएद्ध का हैण् ;हालांकि अघोषित तौर पर ये आंकड़ा हर मैच में सात सौ करोड़ रुपए का बताया जाता हैद्धण् सट्टेबाजी के गैरकानूनी माफिया सिंडिकेटए आधुनिक मैच फिक्सर्स यहां पैर जमा चुके हैंण् कारोबार इतने सुव्यवस्थित तरीके से फैला है कि सोचा भी नहीं जा सकता द्यटी20 और एक दिवसीय मैचों में सट्टा का बाजार अपने चरम पर होता हैण् मैच शुरू होने से पहले ही भाव तय कर दिए जाते हैं द्य हालांकि इस दौरान भी कोडवर्ड का प्रयोग किया जाता है द्य अलग अलग रकम को अलग अलग कोड के तौर पर बुलाया जाता है द्यग्लोबल इकोनॉमी के एशिया की ओर शिफ्ट होने के साथ खेलों में सट्टेबाजी और जुए का बड़ा व्यवसाय भी संगठित और संरचनात्मक ढंग से एशिया में जड़ें जमा चुका है ।

भारत में आईपीएल में फिक्सिंग के आरोपों और धरपकड़ के बाद सुप्रीमकोर्ट ने जस्टिस मुकुल मुदगल कमेटी को इसकी जांच के लिए नियुक्त किया था द्य उन्होंने अपने रिपोर्ट में कहा कि आईपीएल में फिक्सिंग और सट्टेबाजी के तार विदेशों से जुड़े हैं द्य लिहाजा जो सामने नजर आ रहा हैए वो बहुत छोटी मछलियां हैं द्य असली खिलाड़ी और बाहर मछलियां बाहर हैं और वो वाकई बहुत बड़ी हैं द्यदुनियाभर में बढ़ती सोशल नेटवर्किंग और मोबाइल के प्रचलन ने खेलों के अवैध कारोबार को और मजबूत किया है द्य ज्यादातर अपराधी टैक सेवी हैं द्य अंतरराष्ट्रीय तौर संगठित अपराधियों के लिए खेलों में सट्टेबाजी और फिक्सिंग मुफीद कारोबार बनता जा रहा है द्य चीनए दक्षिण पूर्व एशिया और भारत में ये बड़े पैमाने पर फैलकर गैम्बलिंग इंडस्ट्री का रूप ले चुका है द्य इसलिए गैंबलिंग सट्टे को क़ानूनी इजाजत की मांग करने वाले संगठन भी सक्रिय हैं द्य बहरहाल प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी अवैध धंधों और अरबों की काली कमाई पर कठोर कार्रवाई का अभियान जारी रखे हुए हैं द्य दीपावली पर लक्ष्मी पूजा के साथ ईमानदारी से धन मिलने और महाभारत की तरह हिंसा युद्ध नहीं होने की शुभकामनाएं दी जाएं।

राकेश अचल

जनादेश के लिए मतदाता की अग्निपरीक्षा

मध्यप्रदेश के मतदाताओं के लिए 17 नंबवर का दिन अपने हाथ से अपना भाग्य लिखने का दिन है। दुसरे तीन प्रदेश के मतदाताओं के लिए भी यही बात लागू होती है।मध्य प्रदेश,राजस्थान,छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में विधानसभा चुनाव के लिए अब रणभूमि में सारे योद्धा उतर चुके है । जिन्हें मैदान से हटना था उन्होंने मैदान छोड़ दिया है और जो मान-मनोवल के बाद भी नहीं माने वे भी अपनी प्रत्यंचायें तानकर अपने प्रतिद्वंदियों के सामने डटे हुए हैं। चुनावी प्रक्रिया के इस दौर के बाद अब असली परीक्षा मतदाताओं की शुरू होती है। मतदाताओं को अपनी पसंद का सेवक चुनने के लिए जितनी मेहनत-मशक्क्त करना पड़ती है उसका अनुमान लगना आसान नहीं है।

मध्यप्रदेश में प्रत्याशियों की भीड़ में जाने -पहचाने चेहरों के साथ ही एकदम नए-नवेले चेहरे भी हैं। कांग्रेस और भाजपा के अलावा इस बार चुनाव मैदान में बसपा और सपा के अलावा आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी हैं और जेडीयू के भी और गौड़वाना गणतंत्र पार्टी के भी ।राजस्थान,छग और तेलंगाना में भी कमोवेश यही परिदृश्य है। मतदाताओं को देखना है कि कौन से प्रत्याशी पर दांव लगाना चाहिए ? तीसरी शक्ति कहे जाने वाले अधिकाँश दलों के पास या तो बिकाऊ प्रत्याशी हैं या दिखाऊ प्रत्याशी। बसपा और सपा के अधिकांश प्रत्याशी वैचारिक प्रतिबद्धता के मामले में खोखले या बेपेंदी के है। उन्हें उनके पुराने दलों से टिकिट नहीं मिला तो दूसरे दलों से टिकिट ले आये,लेकिन चुनाव मैदान नहीं छोड़ा। मप्र में तो ऐसे लोगों में 81 साल के पूर्व विधायक रसाल सिंह भी हैं और हाल ही में पटवारी घोटाले में आरोपी बने संजीव सिंह भी। पूर्व मंत्री रुस्तम सिंह के बेटे राकेश सिंह भी हैं और कल तक कांग्रेसी रहे केदार सिंह कंसाना। ऐसे प्रत्याशियों के नाम और क्षेत्र अलग-अलग हो सकते हैं किन्तु चरित्र एक जैसा है।

एमपी केवल अपने पर्यटन क्षेत्रों और अभ्यारण्यों की वजह से ही अजब -गजब नहीं है बल्कि सियासत की वजह से भी अजब-गजब है । यहां की सियासत 67 साल भी बहुत ज्यादा नहीं बदली । यहां सीधा रण होता आया है। बूढी कांग्रेस और लगातार बनते-बिगड़ते विपक्ष के बीच। तीसरे दलों के लिए पिछले छह दशक में यहां कोई जगह बनी ही नहीं। सत्ता के समीकरण बनाने-बिगाड़ने में भी तीसरी शक्ति के रूप में पहचान बनाने वाले राजनितिक दल भी बहुत ज्यादा कुछ नहीं कर पाए और शायद इस बार भी वे कोई करतब नहीं कर पाएंगे।करतब जब भी हुआ है तब बगावत की वजह से हुआ ,चाहे वो बात 1967 की हो या 2020 की।

केंद्र में सत्तारूढ़ होने के साथ ही एमपी में भी सत्तारूढ़ भाजपा के लिए इस बार 2018 के विधानसभा के चुनावों से ज्यादा कठिन लड़ाई है।मतदाताओं के लिए भी लड़ाई उतनी ही कठिन है । मतदाता 2018 में भाजपा को जिन आधारों पर ख़ारिज कर चुका था ,वे आधार पांच साल बाद भी जस के तस हैं। ऐसे में 2018 के बदलाव के लिए आये जनादर्श का कोई हासिल ही नहीं हुआ । अब मतदाता या तो दोबारा अपने जनादेश केा दोहराये या फिर % कोऊ नृप होय ,हमें का हानि % की तर्ज पर सब कुछ भाग्य भरोसे छोड़ दे । मतदाता के सामने राजनीति की भाषा में कहें तो एक तरफ सांपनाथ हैं और दूसरी तरफ नागनाथ। चयन इन्हीं नाथों में से किया जाना है। कौन कितना उपयोगी और कौन कितना हानिकारक होगा इसकी जांच केवल अनुभव के आधार पर की जा सकती है । इसके लिए अभी कोई उपकरण ईजाद नहीं हुआ है । इसलिए ये काम कठिन काम है । विधानसभा चुनाव चूंकि दीपावली के ठीक बाद हो रहे है इसलिए दोनों प्रमुख राजनीतिक प्रतिद्वंदियों के प्रत्याशियों के हाथों में फ्रीबीज यानि उपहारों की रेवड़ियां है। घोषणाएं है। वचनपत्र हैं। सब एक-दूसरे से ज्यादा लुभावने हैं। लेकिन लोकतंत्र की रक्षा और सही निर्णय के लिए मतदाताओं को इस फ्रीबीज की मीठी गोली से परहेज कर ये तय करना होगा कि सामाजिक तना-बाना किसके हाथ ज्यादा सुरक्षित है ? कौन है जो लोकतंत्र को राजतंत्र में तब्दील होने से रोक सकता है ? दोनों प्रमुख राजनीतिक दल बीते छह दशकों से जिस तरह की राजनीति करते आ रहे हैं उसमें पुराने सामंत भी हैं और नए सामंत भी । वर्तमान मुख्यमंत्री हों या पूर्व मुख्यमंत्री सभी की आय पांच साल में बढ़ी है । अगर किसी की आय नहीं बढ़ी है तो वो है केवल मतदाता । मतदाता को पता करना होगा कि उसकी आय पर आखिर डाका किसने और कितना डाला ? क्यों नेताओं की आय बढ़ी और जनता की नहीं ?

आज के लोकतांत्र में चुनाव लड़ने का संवैधानिक हक भले ही साधारण आदमी को भी है किन्तु वो चुनाव लड़ नहीं सकता,क्योंकि चुनावों को जानबूझकर इतना मंहगा कर दिया गया है कि जन साधारण इस खेल से दूर हो जाये। अब चुनाव लड़ने वाले के पास अकूत धन होना चाहिए। ये मुमकिन नहीं है।क्योंकि ये केवल मंत्रियों,विधायकों और नौकरशाहों के पास हो सकता है । वे एक-दो नहीं दस हजार करोड़ तक के लेनदेन करने की बातें कर सकते है । अनेक वीडियो इस बात की गवाही दे रहे हैं की उनके पूर्व में चुने गए तमाम प्रतिनिधि चोर ही नहीं डकैत भी हैं। चंबल वाले तो कनाडा तक हाथ मारते दिखाई दे रहे हैं। ईडी और सीबीआई इनका कुछ नहीं बिगाड़ सकती,क्योंकि जब तक साहब हैअन ,तब तक सब मुमकिन है। ऐसे चोरों-डकैतों,बेईमानों और अपराधियों को चुनाव मैदान से खदेड़ने का सही मौक़ा विधानसभा के चुनाव है। सही फैसला करें और चुनावों में धनबल,बाहुबल को हतोत्साहित करें तभी मध्यप्रदेश का कल्याण सम्भव है,अन्यथा नहीं।मत भूलिए की आपका वोट सचमुच अनमोल है। मैंने पिछले चुनाव में एक सलाह दी थी की -चुनें उन्हें जो साथ निभाएं,हर सुख-दुःख में दौड़े आएं। मेरा मशविरा आज भी यही है। अब मर्जी है आपकी ,क्योंकि वोट है आपका।

साभार : यह लेखक के अपने विचार हैं।

नर्मदापुरम में शांतिपूर्ण और सुचारु रूप से मतदान जारी

नर्मदपुरम, दोपहर मेट्रो

जिले की चारों विधानसभाओं में शांतिपूर्ण और सुचारू रूप से मतदान प्रक्रिया जारी है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री नीरज कुमार सिंह एवं पुलिस अधीक्षक डॉ गुरकरण सिंह निरंतर मतदान केंद्रों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं की निगरानी कर रहे हैं। सुबह से ही मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की लंबी-लंबी कतार लग रही हैं।विधानसभा निर्वाचन के तहत 17 नवंबर को सुबह 9.00 बजे तक जिले की चारों विधानसभा में कल 63834 मतदाताओं ने मतदान किया। जिनमें 35665 पुरुष एवं 28169 महिलाएं शामिल हैं। सिवनीमालवा में 11065,होशंगाबाद में 4605 , सुहागपुर में 33925 एवं पिपरिया में 14239 मतदाताओं ने मतदान किया।

पुलिस अधीक्षक डॉ गुरकरन सिंह ने किया मतदान

नर्मदापुरम.विधानसभा निर्वाचन के तहत 17 नवंबर को पुलिस अधीक्षक डॉ गुरकरण सिंह ने सुबह 7 बजे अपने निर्धारित मतदान केंद्र शासकीय प्राथमिक शाला कोठी बाजार पहुंचकर अपना मतदान किया। उन्होंने समस्त मतदाताओं से आग्रह किया कि लोकतंत्र के उत्सव में अपने मताधिकार का प्रयोग कर अपना कर्तव्य निभाएं। उन्होंने सभी से निर्भीक और बिना प्रलोभन के मतदान करने की अपील की।

मैंने निभाई अपनी जिम्मेदारी, अब आपकी बारी.

कलेक्टर सिंह ने किया मतदान

नर्मदापुरम.लोकतंत्र के इस महापर्व में मतदान कर अपनी जिम्मेदारी निभाएं। मैंने मतदान कर अपनी जिम्मेदारी निभाई है। आप सभी से भी आग्रह है कि अपने मतदान केंद्र पर जाकर मतदान करें। यह अपील कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नर्मदापुरम नीरज कुमार सिंह ने जिले के समस्त मतदाताओं से की हैं। कलेक्टर श्री सिंह ने विधानसभा निर्वाचन अंतर्गत मतदान दिवस 17 नवंबर को सुबह 7 बजे सबसे पहले अपने निर्धारित मतदान केंद्र शासकीय नवीन प्राथमिक शाला पहुंचकर मतदान किया। कलेक्टर श्री सिंह ने अपने संदेश में कहा कि जिले के सभी मतदान केंद्रों पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई है। मतदाता निर्भीक और स्वतंत्र होकर अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें।

संभागायुक्त डॉ. पवन शर्मा ने मतदाताओं से निर्भीक होकर मतदान करने की अपील की

नर्मदापुरम। विधानसभा निर्वाचन ङ्क 2023 के शुक्रवार 17 नवम्बर को मतदान होगा । संभागायुक्त डॉ. पवन शर्मा ने भोपाल संभाग के मतदाताओं से निर्भीक होकर मतदान करने की अपील की है ।

संभागायुक्त डॉ. शर्मा ने नर्मदापुरम जिले के मतदाताओं से अपील में कहा है कि मध्यप्रदेश विधानसभा के निर्वाचन के लिए 17 नवम्बर का दिन लोकतंत्र के उत्सव का दिन है।

उन्होंने कहा कि मैं भोपाल संभाग की सभी विधानसभाओं के मतदाताओं से अपील करता हूँ कि आप स्वतंत्र रूप से अनिवार्यत= मतदान करें। सभी विधानसभाओं में आदर्श मतदान केन्द्रों के साथ महिलाओं के लिए पिंक पोलिंग बूथ भी बनाए गए हैं । इसके साथ ही अन्य मतदान केन्द्रों पर भी सभी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की गई है और सुरक्षा की भी संपूर्ण व्यवस्था की गई है ।

उन्होने कहा है कि मतदाता अपने मतदान केन्द्र पर जाएं और निष्पक्ष तथा निर्भीक रूप से मतदान करें । मतदान के लिए सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक का समय निर्धारित है । मतदाता मतदान अवश्य करें और अपने नागरिक होने के कर्तव्य तथा दायित्व का निर्वहन करें।

मतदाता कर रहे प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला

नर्मदपुरम, दोपहर मेट्रो

जिले की चारो विधानसभा में 5224 कर्मचारी सम्पन्न कराएंगे मतदान

208 पोलिंग बूथों की कमान होगी 832 महिला कर्मी के हाथों में

335 माइक्रो आर्ब्जवर रखेंगे मतदान पर नजर

जिले की चारो विधानसभा के लिए 120 सेक्टर अधिकारियों और 3407 सुरक्षा जवानों की लगाई गई ड्यूटी

विधानसभा निर्वाचन-2023 के तहत प्रदेश के साथ ही जिले में आज मतदान हो रहा है कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नीरज कुमार सिंह ने जानकारी दी कि जिले की चारो विधानसभा में मतदान सम्पन्न कराने के लिए कुल 1187 मतदान केन्द्र बनाए गए हैं। सिवनीमालवा विधानसभा अंतर्गत 318 , होशंगाबाद विधानसभा में 238, सोहागपुर विधानसभा में 314 एवं पिपरिया विधानसभा में 317 मतदान केंद्र शामिल हैं।जिले में 100 आदर्श केंद्र बनाएं गए हैं। मतदान कराने वाले कर्मचारी 5224 हैं। चारो विधानसभा में मतदान दलो को लाने एवं ले-जाने के लिए 547 वाहनों की व्यवस्था की गई है।

335 माइक्रो आर्ब्जवर रखेंगे मतदान नजर: विधानसभा निर्वाचन स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण सम्पन्न कराने के लिए 335 माइक्रो आर्ब्जवर नियुक्त किए जाएंगे, इन्हें प्रशिक्षण दिया गया है।

120 सेक्टर अधिकारी बनाए गए..: जिले में कुल 120 सेक्टर अधिकारी बनाए गए है, पिपरिया विधानसभा में 34, सिवनीमालवा में 31, होशंगाबाद में 22 एवं सोहागपुर विधानसभा में 33 सेक्टर अधिकारी एवं सेक्टर पुलिस अधिकारी नियुक्त किए गए हैं जो मतदान दलों से सतत समन्वय बनाकर किसी भी प्रकार की परेशानी का तत्काल निराकरण करेंगे। सभी सेक्टर अधिकारियों को एक-एक अतिरिक्त ईवीएम मशीन भी दी जाएगी। जो एवं संबंधी खराबी की सूचना होने पर सुधार एवं रिप्लेसमेंट की कार्यवाही करेगें। ईवीएम संबंधी खराबी के त्वरित निराकरण के लिए चारों विधानसभा में दो-दो बेल के इंजीनियर भी मौजूद रहेंगे जो सूचना प्राप्त होने पर शीघ्र केंद्रों पर पहुंचेंगे। बेल इंजीनियर के पास भी एक-एक अतिरिक्त ईवीएम मशीन रहेगी।

क्रिटिकल मतदान केन्द्र..

जिले की चारो विधानसभा के 1187 मतदान केन्द्रों में 335 क्रिटिकल मतदान केन्द्र हैं। सिवनीमालवा में 96, होशंगाबाद में 69, सोहागपुर में 81 तथा पिपरिया 89 क्रिटिकल मतदान केन्द्र है। इन मतदान केन्द्रों के साथ ही 750 केन्द्रों पर वेबकास्टिंग की व्यवस्था की गई है।

एफएसटी-एसएसटी दलों द्वारा की जा रही सघन जांच एवं निगरानी: पुलिस अधीक्षक डॉ सिंह ने बताया कि जिले में जिले में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव सम्पन्न कराने के लिए सघन जांच एवं निगरानी के लिए जिले की सीमाओं जांच नाके बनाए गए हैं, 15 एफएसटी, 16 एसएसटी तथा वीएसटी दल सक्रिय हैं। जिनके द्वारा लगातार आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है। अपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों के खिलाफ जिला बदर सहित अन्य प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई हैं।

3407 सुरक्षा जवानों की लगाई गई ड्यूटी

जिले में शांतिपूर्ण मतदान सम्पन्न कराने के लिए कुल 3407 सुरक्षा कर्मियो की ड्यूटी लगाई गई है। 504 प्रधान आरक्षक/ आरक्षक, 79 महिला आरक्षक , 186 जिला होमगार्ड, 342 कर्नाटक होमगार्ड, 780 सीएपीएफ सेक्शन एवं 1187 विशेष पुलिस अधिकारी का बल तैनात किया गया हैं।

उन्होंने बताया कि जिले से बाहर प्राप्त केंद्रीय एवं अन्य बलों के जवानों को भी तैनात किया गया हैं, जिनमें पुलिस मुख्यालय से प्राप्त 115, आरएपीटीसी के 70, 17वीं वाहिनी सी कंपनी भिंड के 80, केंद्रीय पुलिस बल जिनमें आरपीएसएफ 1/2, आईटीबीपी 1/2, बीएसएफ 5 एवं तमिलनाडु एएसपी 05 , जिला होमगार्ड 186 एवं कर्नाटक होमगार्ड 740 शामिल हैं।

मतदान के लिए 547 वाहन अधिग्रहित : विधानसभा चुनाव में होने वाले मतदान के लिए बड़े तथा छोटे वाहनों का अधिग्रहण किया गया है, जिससे मतदान दल, सुरक्षा कर्मी, ईवीएम मशीन तथा सेक्टर ऑफिसर के आने जाने में सुगमता रहे। इसी तरह मतदान ले लिए कुल 547 वाहनों को अधिग्रहित किया गया है, जिसमे पुलिस बल तथा मतदान दल के लिए 373 यात्री बसे, सेक्टर ऑफिसर के लिए 164 छोटे यात्री वाहन, एवं ईवीएम मशीन के लाने ले जाने के लिए 10 कंटेनर अधिग्रहित किए गए है।

750 मतदान केंद्रों पर होगी वेबकास्टिंग

जिले में कुल 1187 मतदान केंद्रों में से लगभग 750 मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग(लाइव स्ट्रीमिंग)की जाएगी। जिसकी कलेक्ट्रेट कार्यालय स्थित कंट्रोल रूम से मतदान केंद्रों पर निगरानी की जाएगी। मतदान के दिन सूचनाओं के त्वरित आदान प्रदान के लिये जिला स्तर व विधानसभा स्तर पर कम्यूनिकेशन टीम बनाई गई है। इस टीम में नियुक्त अधिकारी कर्मचारी मतदान केन्द्रों तक मतदान दलों के पहुँचने की जानकारी, मॉकपोल होने की जानकारी, उसके बाद मतदान शुरू होने, मतदान का प्रतिशत जैसी जानकारियां मतदान केन्द्रों पर नियुक्त कर्मचारियों से चर्चा कर संकलित करेंगे।

जिले में कुल 940069 मतदाता

कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने बताया कि मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन के पश्चात् जिले में कुल मतदाताओं की संख्या 940069 हैं, जिनमें पुरुष मतदाताओं की संख्या 486657 , महिला मतदाताओं की संख्या 453377 एवं 35 अन्य मतदाता है। 18 से 19 वर्ष आयु के नवीन मतदाताओं की संख्या 43603 हैं,जिनमें 23797 पुरुष एवं 19806 महिला शामिल हैं। जिले में 80 प्लस आयु के मतदाताओं की संख्या 10905 है जिनमें 4440 पुरुष एवं 6465 महिलाएं शामिल है। मतदाता सूची का लिंगानुपात 931.62 है एवं ईपी रेशों 66.72 हैं। जिले में दिव्यांग मतदाताओं की संख्या 8988 है जिनमें 5733 पुरुष एवं 3255 महिला शामिल हैं। वहीं सर्विस वोटर की संख्या 1894 हैं।

विधानसभावार मतदाताओं की स्थिति

सिवनीमालवा विधानसभा अंतर्गत जिले में कुल मतदाताओं की संख्या 245148 है जिनमें 127304 पुरुष एवं 117835 महिला एवं 9 अन्य मतदाता शामिल है। इसी प्रकार होशंगाबाद विधानसभा अंतर्गत कुल मतदाता 221141, जिनमें 112322 पुरुष, 108803 महिला एवं 16 अन्य, सोहागपुर विधानसभा अंतर्गत कुल मतदाता 242873, जिनमें 127521 पुरुष, 115346 महिला एवं 6 अन्य तथा पिपरिया विधानसभा अंतर्गत कुल मतदाता 230907, जिनमें 119510 पुरुष, 11393 महिला एवं 16 अन्य मतदाता शामिल हैं।

मेट्रो एंकर क्रिटिकल मतदान केंद्रों पर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

मतदान दिवस के पूर्व कलेक्टर एवं एसपी ने जिले की चारों विधानसभाओं का किया सघन दौरा

निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से मतदान संपन्न कराने के दिए निर्देश.

नर्मदपुरम, दोपहर मेट्रो

विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत 17 नवंबर को जिले के कुल 1187 मतदान केंद्रों पर मतदान किया जाएगा। जिला प्रशासन द्वारा निष्पक्ष और शांतिपूर्ण निर्वाचन के लिए सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नीरज कुमार सिंह एवं पुलिस अधीक्षक डॉ गुरकरण सिंह ने मतदान दिवस की एक दिवस पूर्व जिले की चारों विधानसभाओं का सघन भ्रमण कर मतदान की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने जिले के दूरस्थ मतदान केंद्रों पर व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने जिले के निर्धारित क्रिटिकल एवं संवेदनशील मतदान केंद्रों का भी निरीक्षण कर शांतिपूर्ण मतदान प्रक्रिया संपन्न कराने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने आदर्श मतदान केदो पर भी व्यवस्थाएं देखी। उन्होंने सभी रिटर्निंग अधिकारियों के साथ बैठक कर उन्हे निर्देशित किया कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशानुसार निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न कराएं। पुलिस अधीक्षक डॉ गुरकरण सिंह ने भी निर्वाचन में लगे सुरक्षा कर्मियों को मतदान केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद रखने के निर्देश दिए।

लोकतंत्र का यज्ञ : 50 बसों से मतदान कर्मी पहुंचे मतदान केंद्रों पर, 50 से अधिक कर्मी अनुपस्थित

आज 3 लाख 21 हजार 337 मतदाता चुनेंगे अपना जनप्रतिनिधि, सुरक्षा के कड़े इंतजाम

कड़े सुरक्षा व्यवस्था के बीच आज विधानसभा के चुनाव संपन्न होंगे लोकतंत्र के महापर्व में 2 लाख 21 हजार 337 मतदाता अपने मत अधिकार का उपयोगप्रयोग करते हुए क्षेत्र का जनप्रतिनिधि चुन्नी के लिए वोट करेंगे निर्वाचन आयोग के निर्देश पर प्रशासन के द्वारा चुनाव निष्पक्ष रूप से संपन्न करने के सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। कल दोपहर के बाद सभी मतदान कर्मी अपने-अपने मतदान केंद्र पर पहुंच थे।

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

आज सुबह 7 बजे से मतदान प्रारंभ हुआ है सभी मतदान कर्मियों को चुनावी सामग्री का वितरण पॉलिटेक्निक कॉलेज से निर्वाचन अधिकारी हर्षल चौधरी की मौजूदगी में किया गया 254 मतदान केंद्र हैं। जिनका 26 सेक्टरों में विभाजित किया गया था जहां से मतदान कर्मियों को ईवीएम, बीपी पेट मशीन के साथ चुनावी सामग्री देकर 50 बसौ के माध्यम से अपने-अपने मतदान केंद्र पर पहुंचने का काम किया गया इसके लिए 50 बस बेस अधिग्रहण की गई थी बनाए गए थी साथ ही मैजिक वाहन बाद चार पहिया बहन भी अधिग्रहण किए गए थे। शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव संपन्न करने के लिए सभी तैयारियां ली गई हैं। सुरक्षा के लेकर भी खड़े इंतजाम किए गए हैं। क्रिटिकल और बरनेल मतदान केदो पर अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात रहेगा बाहर से भी पुलिस बल भारी मात्रा में उपलब्ध हुआ है। मतदान दलों को केंद्र पर पहुंचने के बाद मतदान दालों की मॉनिटरिंग भी कराई गई। दूसरी ओर 50 से अधिक मतदान कर्मी ड्यूटी लगी होने के बाद भी अनुपस्थित पाएगा इन सब पर कार्रवाई के लिए भी निर्वाचन अधिकारी के द्वारा जिला निर्वाचन अधिकारी को उनकी जानकारी भेजी जाएगी वहीं से इन मतदान कर्मियों ड्यूटी मैं लापरवाही होने पर कार्रवाई हो सकती है। ।कई ऐसी महिला मतदान कर्मी भी देखने को मिला जिनके हाथ में 2 से 3 साल के छोटे-छोटे बच्चे थे पर चुनाव में ड्यूटी लगी होने के कारण यह अपने बच्चों को लेकर पहुंची और इन्होंने अपनी ड्यूटी निरस्त करवाने की फरियाद भी निर्वाचन अधिकारी के सामने रखी पर निर्वाचन अधिकारी इनकी कोई मदद नहीं कर पाए क्योंकि वैसे ही 50 के करीब मतदान कर्मी अनुपस्थित रहा इस कारण इन महिला मतदान कर्मियों की ड्यूटी भी लगाई गई है।

इनका कहना है

शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव संपन्न करने के लिए सभी व्यवस्थाएं कर ली गई है। सभी मतदान कर्मी अपने-अपने मतदान केंद्र पर पहुंच चुके हैं।आज सुबह 7 बजे से मतदान होगा सभी केदो का लगातार मजिस्ट्रेट और सेक्टर मजिस्ट्रेट निरीक्षण करेंगे 50 मतदान कर्मी अनुपस्थित रहे जिनकी जानकारी जिला निर्वाचन अधिकारी को भेजी जाएगी।

-हर्षल चौधरी, निर्वाचन अधिकारी सिरोंज सुरक्षा को लेकर पुख्ता व्यवस्था की है। शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव संपन्न कराएगा जाएगा निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन के अनुसार पुलिस की तैनाती की हैं। टीम लगातार पेट्रोलिंग करेगी हर परिस्थिति निपटने के लिए पुलिस बल मौजूद है।
- उमेश कुमार त्रिपाठी, एसडीओपी

अंतिम दिन डोर टू डोर प्रत्याशियों ने किया जनसंपर्क, मांगा आशीर्वाद

भाजपा को अपना घर बचाने की चुनौती , कांग्रेस को जीत की दरकार किस करवट बैठेगा ऊंट ,जनता करेगी तय

सभी प्रत्याशियों की आज की रात बड़ी मुश्किल से निकलेगी क्योंकि आज की रात जिसने मतदाताओं का माहौल अपनी तरफ कर लिया उसकी जीत भी पक्की होती है, ऐसी बात कही जाती है। देखने वाली बात होगी कि कौन सा प्रत्याशी अपने पक्ष में मतदाताओं को डाल पाएगा । आखिरी दिन मैदान में बचे सभी प्रत्याशियों ने अपने-अपने क्षेत्र में बिना तमझम के डॉट टू डोर संपर्क करें करके मतदाताओं अपने लिए आशीर्वाद रूप में वोट करने का आग्रह किया वही ऐसी चर्चा है जिसको लटेरी क्षेत्र से लीड मिलेगी उसकी नया विधानसभा पहुंचेगी जिसको चलते दोनों प्रत्याशियों ने आखिरी दिन जन संपर्क भी लेटरी क्षेत्र में ही किया। भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी उमाकांत शर्मा के साथ कांग्रेस पार्टी उम्मीदवार गगनेंद्र रघुवंशी ने इन्हीं क्षेत्रों में पहुंचकर मतदाताओं से अपने लिए मतदान करने का आशीर्वाद मांगा कांग्रेस प्रत्याशी गगनेंद्र रघुवंशी सुबह ही लेटरी क्षेत्र के ग्राम में पहुंचकर लगातार

मतदाताओं संपर्क करते रहे।दूसरी ओर भाजपा प्रत्याशी उमाकांत शर्मा ने विश्व क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में पहुंचकर मतदाताओं से सीधा संपर्क करते हुए अपने लिए मतदान करने की अपील की। वैसे तो कई उम्मीदवार हैं पर यहां पर हमेशा मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच होता है। वर्तमान भाजपा विधायक उमाकांत शर्मा को अपना घर बचाने की चुनौती है। के लिए कड़ी मशक्कत इनको करनी पड़ रही है दूसरी ओर 34 हजार से अधिक वोटो से पिछला हरी कांग्रेस को अपनी जमीन मजबूत करने के लिए जो लगाना पड़ रहा है इस बार कांग्रेस के द्वारा मजबूत कैंडिडेट उतर गया इसके कारण कड़ा मुकाबला देखने को मिल रहा है वैसे दोनों ही प्रत्याशियों को अंदर ही अंदर कई अपनों के विरोध का सामना भी करना पड़ रह है रूटों को मनाने का काम दोनों तरफ से किया जा रहा है। अब देखना है कि रूठे कितने मन से भाजपा और कांग्रेस को जितने के लिए काम करेंगे जहां पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने लटेरी में मंच से कांग्रेस के जितने भी नेता हैं उनको सीधा संदेश देते हुए कहा है कि मैं देखूंगा 3 दिसंबर को किस-किस नेता की पोलिंग पर कितने वोट पड़े हैं उसको मैं स्वयं देखूंगा साथ उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि चुनाव जो पोलिंग जितकर देगा वही वहां का नेता होगा ही वही देखना है कि बड़े-बड़े नेता जो टिकट की दावेदारी कर रहे थे ।वह अपनी अपनी पोलिंग जीत पाएंगे या नहीं इसी तरह भाजपा से भी कई दावेदार टिकट मांग रहे थे उनके सामने भी अपनी-अपनी पोलिंग जितने की वडी चुनौती होगी।

शहर में बनाए गए 15 पिंक बूथ

शहरी क्षेत्र में निर्वाचन विभाग के निर्देश पर 15 पिंक बूथ बनाए गए हैं जहां पर अधिकांश महिला मतदान कर्मी मौजूद रहेगी दूसरी ओर इन मतदान केदो को गुब्बर के साथ टेंट लगाकर व्यवस्थित रूप से सजाया गया है। यहां पर आने वाले मतदान कर्मियों का वेलकम भी किया सभी मतदान केदों पर दिव्यांगजन और बुजुर्ग मतदाताओं के लिए व्हीलचेयर के अलावा अन्य व्यवस्थाएं भी रहेंगे जिससे कि इन मतदान कर्मियों को मतदान करने में किसी भी तरह की परेशानी ना हो पिंक बूथ केंद्र पर महिला मतदान कर्मी ही मौजूद रहेगी।

लोकतंत्र मजबूत करने करें मतदान

विधानसभा चुनाव में अधिक जनसंख्या में मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करते हुए लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदान करने के लिए अपने घरों से निकले निर्वाचन अधिकारी ने भी सभी मतदाताओं से सारे काम छोड़कर सबसे पहले मतदान करने अपील की है।

सुरक्षा की व्यवस्था पुख्ता

शहरी क्षेत्र में वैसे तो 43 मतदान केंद्र पर इनमें से 15 मतदान केदो को निर्वाचन आयोग के निर्देश पर पिंक बूथ बनाया गया है। जहां पर टेंट लगाकर इन केदो को गुब्बारों से सजाया गया है। इसके अलावा यहां पर सभी मतदान दाल में शामिल महिला मतदान कर्मी होगी। दोपहर के बाद यहां पर मतदान कर्मियों का पहुंचने का सिलसिला प्रारंभ हो गया था। मजिस्ट्रेट और सेक्टर प्रभारी ने इन मतदान केदो का जायजा भी लिया। शाम तक सभी केदो पर मतदान करने की उपस्थिति हो चुकी जिसके बाद मतदान कर्मी चुनाव की तैयारी करने में भी दिखाई दिए दूसरी ओर पुलिस प्रशासन के द्वारा सुरक्षा के भी विशेष अंजाम किए गए हैं। पुलिस बल यहां पर मौजूद था। 100 मीटर के दायरे में किसी व्यक्ति को जाने की अनुमति नहीं होगी केवल मतदाता ही अपना मतदान करने के लिए पहुंच सकेंगे प्रत्याशियों के एजेंट भी 100 मीटर की दूरी पर ही मौजूद रहेंगे।

मतदान करने के लिए मतदाताओं में उत्साहः दिव्यांग , बुजुर्ग मतदाता भी पहुंचे वोट डालने, दिव्यांग को नहीं मिली व्हीलचेयर, पुलिसकर्मी मोबाइल में व्यस्त

लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदाताओं के द्वारा उत्साह के साथ मतदान किया जा रहा सुबह 9 बजे तक 12.44ब्र मतदान हो चुका था पुरुषों की अपेक्षा महिला वोटरों में उत्साह देखने को मिला। दिव्यांग ओर बुजुर्ग मतदाता भी मतदान करने पहुंचे दूसरी ओर प्रशासन की व्यवस्था में कमी देखने को मिली मार्केटिंग सोसायटी के मतदान केंद्र 196 पर 79 साल की बुजुर्ग महिला रामको बाई मतदान करने पहुंची पर उनको यहां व्हीलचेयर भी नहीं मिली है जबकि इनका कानो से सुनाई नहीं देता और एक आंख से ही थोड़ा बहुत दिखता है। फिर भी यहां पर व्यवस्था नहीं की गई इनके लिए वहां जमीन पर बैठी हूं थी जैसी प्रदेश टुडे के द्वारा जब मतदान दल के कर्मचारियों को बताया तो फिर दिव्यांग महिला को कुर्सी मिली इसी तरह मतदान केंद्र पशु चिकित्सालय के 195 पर जहां वोटर मतदान केंद्र के अंदर वोट डालने जा रहे थे। इस केंद्र पर ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी कुर्सी पर बैठकर मोबाइल में मस्त व्यस्त थे जैसे ही प्रदेश टुडे ने इनका फोटो लेने का काम किया तो इनकी नजर पड़ी तो इन्होंने अपना मोबाइल पास में रख लिया ड्यूटी के दौरान इस तरह की लापरवाही भी देखने को मिली इसके अलावा पुरुषों की अपेक्षा महिला मतदाताओं में ज्यादा उत्साह सुबह से ही वोट करने को लेकर दिखा पहली बार वोट करने पहुंचे उनका कहना था कि हम विकास के लिए वोट कर रहे हैं ।पहली बार वोट करनी पहुंची लड़कियों ने बताया कि हमनें सुरक्षा और शिक्षा को लेकर वोट किया है। रकाबगंज के मतदान केंद्र पर वोटरों को टोकने की शिकायत सामने आई। यहां के मतदान केंद्र प्रभारी ने ऐसा करने पर उनको कई बार समझाया पर वह वोटरों को प्रभावित कर रहे थें। शहर के साथ ग्रामीण क्षेत्र के मतदान केदो पर भी लंबी-लंबी कतारें वोटरों की लगी हुई थी।

श्रीविष्णु की कृपा जिस पर होती है उसकी नैया कभी नहीं डूबती: नवनीत महाराज

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

नगर के प्राचीन मंदिर मदन मोहन सरकार मंदिर पर कार्तिक महोत्सव बड़े ही उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। साथ यहां पर कार्तिक मास की कथा का रसपान भी पंडित नवनीत महाराज के द्वारा किया जा रहा है। कार्तिक मास की कथा का रसपान कराया साथ ही कार्तिक महात्तं व्रत कथा में बताया के मनुष्य को लड़ाई झगड़े नही करना चाहिए और झूठे मुंह कहीं नही जाना चाहिए ऐसा करने से मनुष्य पाप की ओर बढ़ जाता है सांथ ही उसे प्रेतयोनी प्राप्त होती है मनुष्य को सदैव प्रेम पूर्वक आचरण करना चाहिए। श्री देवाधिदेव मदनमोहन जी सरकार के सिद्ध चैतन्य दरबार में कार्तिक महोत्सव की मंगला आरती मे आज बालूसाई का भोग लगाया गया साथ ही केसर दूध, फल, तांबूल, मगध, दही, रबड़ी, मेवे का भोग लगाया गया। मंगला आरती संख्याओं में श्रद्धालु गण शामिल हुए सुबह-शाम विशेष आरती के बाद प्रसादी का वितरण किया जाता है ।यहां पर सभी काम बड़े ही भक्ति भाव से संपन्न होते है सरकार की कृपा से बड़े-बड़े काम संपन्न होते हैं दूर-दूर से भागत यहां पर दर्शन करने आते हैं।

ठंड का बढ़ने लगा असर, ग्रामीण क्षेत्रों में कड़ाके की सर्दी का दौर हुआ प्रारंभ

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

दीपावली के बाद सर्दी भी अपना असर दिखने लगी है धीरे-धीरे करके दिन और रात के तापमान में भारी गिरावट देखने को मिलने लगी है। रात में तो कड़ाके की सर्दी शहर में भी पड़ने लगी है, ग्रामीण क्षेत्रों में तो कप-कप देने वाली सर्दी पड़ रही है धूप अब अच्छी लगने लगी है दिन भी छोटे होने लगे हैं। जिसके चलते इन दिनों गर्म कपड़ों की मांग भी तेजी से बढ़ गई है ।सर्दी से बचने के लिए लोग गर्म कपड़ों का उपयोग करने लगे हैं हल्की शीत लहर भी प्रारंभ हो गई है। आने वाले दिनों में सर्दी का प्रकोप देखने को मिल सकता है। वैसे भी दिवाली के बाद सर्दी अपना असर दिखने लगती है।इन दोनों सुबह घरों से निकलने में लोगों को गर्म कपड़ों का सहारा ले रहे हैं। शाम 5 बजे के बाद सर्दी का एहसास होने लगता है ।रात में तो ठंड से बचने के लिए गर्म कपड़ों का ज्यादा ही सहारा लेना पड़ रहा है ।आने वाले दिनों में तापमान में और भी गिरावट दर्ज होगी। सर्दी को देखते हुए नगर पालिका के द्वारा अभी कोई इंतजाम नहीं किए गए हैं।

वर्ल्ड कप की आखिरी जंग में भिड़ेंगे भारत और ऑस्ट्रेलिया

ऑस्ट्रेलिया की खामियों का फायदा उठा इंडिया जीत सकती है खिताब

नईदिल्ली, एजेंसी

साउथ अफ्रीका को हराकर ऑस्ट्रेलिया ने 8वीं बार वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में जगह बना ली। अब टीम का सामना 19 नवंबर को अहमदाबाद में मेजबान भारत से होगा। यह किसी आईसीसी टूर्नामेंट के नॉकआउट मुकाबलों में दोनों टीमों की आठवीं भिड़ंत होगी। वनडे वर्ल्ड कप में दोनों के बीच चौथा नॉकआउट मुकाबला होगा। इसके अलावा 1 भिड़ंत टी-20 वर्ल्ड कप में, 2 चैंपियंस ट्रॉफी में और 1 वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में हुई है। ऑस्ट्रेलिया ने लगातार 8 मुकाबले जीत कर वनडे वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल में जगह बना ली। टीम ने शुरुआती दो लीग मैच गंवाने के बाद इस तरह का प्रदर्शन दिया है। लीग स्टेज में ऑस्ट्रेलिया को भारत और साउथ अफ्रीका ने हराया था। साउथ अफ्रीका को तो कंगारुओं ने सेमीफाइनल में मात देकर हिसाब बराबर कर लिया। अब 19 नवंबर को फाइनल में टीम का सामना मेजबान भारत से होगा। ऑस्ट्रेलिया एक टीम के तौर पर जीत के ट्रैक पर जरूर है लेकिन इसके खेमे की कुछ खामियां हैं जिनका फायदा उठाकर टीम इंडिया खिताब जीत सकती है।

शानदार

फार्म में है रोहित शर्मा

टीम इंडिया के सारे खिलाड़ी अच्छी फार्म में है। रोहित ने पिछले सारे मैचों में अच्छे रन बनाए हैं और टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया है। वहीं टीम की बॉलिंग भी शानदार है। फास्ट बॉलिंग डिपार्टमेंट में मोहम्मद शमी, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज ने शानदार परफॉर्म किया है, तीनों ने मिलकर 41 विकेट लिए हैं। स्पिनर्स में रवींद्र जडेजा और कुलदीप यादव ने 26 विकेट लिए हैं। वहीं फील्डिंग में तो टीम ने अपना लोहा मनवा ही दिया है। टीम के स्टार बैटर विराट कोहली टूर्नामेंट में टीम के टॉप रन स्कोरर हैं। उनके नाम 543 रन हैं। वहीं पेसर मोहम्मद शमी टॉप विकेट टेकर हैं, उनके नाम 16 विकेट हैं।

भारत ने सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड को हराया था

वनडे वर्ल्ड कप में भारत ने पांच बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को 6 विकेट से हराकर अभियान की शुरुआत की थी। इसके बाद टीम ने अफगानिस्तान, पाकिस्तान, बांग्लादेश, न्यूजीलैंड, इंग्लैंड, श्रीलंका और साउथ अफ्रीका को भी हराया। साउथ अफ्रीका के खिलाफ तो टीम ने 243 रन के बड़े अंतर से मुकाबला जीता। टीम टूर्नामेंट में लगातार 9वां मैच जीत चुकी है और अब न्यूजीलैंड को सेमीफाइनल में धूल चटा चुकी है अब बारी है आस्ट्रेलिया से फाइलन जीतना।

शुरुआती 10 ओवर में 13 ही विकेट ले सके, औसत 46 का

शुरुआती 10 ओवर में ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाज 13 ही विकेट ले सके हैं, जो सेमीफाइनल खेलने वाली टीमों में सबसे खराब है। टीम को 46 गेंद में एक विकेट मिलता है। लीग स्टेज में ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजों ने भारत को 2 ही रन पर 3 झटके दे दिए थे। लेकिन उसके बाद नई गेंद से टीम 9 मैचों में 10 ही विकेट ले सकी। सेमीफाइनल में जरूर टीम ने शुरुआती 12 ओवर में 24 रन देकर 4 विकेट झटक लिए थे, लेकिन तब बारिश का मौसम होने के कारण तेज गेंदबाजों को मदद मिली थी। अहमदाबाद में इस तरह का मौसम होने के आसार नहीं हैं।

■ खामी- स्पिनर्स को हर मैच औसतन 3 विकेट दिए, टॉप-8 टीमों में सबसे खराब

वर्ल्ड कप 2023 में ऑस्ट्रेलियाई बैटर्स ने स्पिनर्स को 30 विकेट दिए, जो टूर्नामेंट में नीदरलैंट और इंग्लैंड के खिलाफ सबसे खराब है। सेमीफाइनल में भी टीम ने तबरेज शम्सी और केशव महाराज के खिलाफ मिडिल ओवर्स में 3 अहम विकेट गंवा दिए थे। भारत के पास कुलदीप यादव और रवींद्र जडेजा के रूप में 2 वर्ल्ड क्लास स्पिनर्स हैं। दोनों मिलकर टूर्नामेंट में 31 विकेट भी ले चुके हैं। लीग स्टेज में भी इंडियन स्पिनर्स ने 6 ऑस्ट्रेलियन बैटर्स को पवेलियन भेजा था। स्पिनर्स ने 30 ओवर में महज 3.5 की इकोनॉमी से ही रन खर्चे थे।

■ मिडिल ओवर्स में 38 विकेट गंवाए

11 से 40 ओवर के बीच ऑस्ट्रेलिया की बैटिंग कमजोर है। वर्ल्ड कप में इस दौरान टीम हर 41 रन में 1 विकेट गंवा देती है। टीम ने इस दौरान 38 विकेट गंवाए, जो सेमीफाइनल खेलने वाली टीमों में सबसे ज्यादा है। मिडिल ओवर्स में भारत ने 47 विकेट लिए हैं, जो 10 टीमों में साउथ अफ्रीका के बाद बेस्ट है। टीम इंडिया की 4.78 की इकोनॉमी और 26.62 का औसत 10 टीमों में बेस्ट है। मिडिल ओवर्स में ऑस्ट्रेलिया की कमजोर बैटिंग भारतीय गेंदबाजी के सामने बिखर सकती है।

नॉकआउट मुकाबलों का ब्रीफ स्कोरकार्ड

चैंपियंस ट्रॉफी 1998	–	क्वार्टर फाइनल
चैंपियंस ट्रॉफी 2000	–	क्वार्टर फाइनल
वनडे वर्ल्ड कप 2003	–	फाइनल
टी-20 वर्ल्ड कप 2007	–	सेमीफाइनल
वनडे वर्ल्ड कप 2011	–	क्वार्टर फाइनल
वनडे वर्ल्ड कप 2015	–	सेमीफाइनल
वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023	–	फाइनल

क्रिकेटर गिल बोले- कोहली हमेशा इन्सपायर करते हैं

नईदिल्ली, एजेंसी

रोहित की तूफानी शुरूआत, गिल का क्लास, कोहली का 50वां शतक, श्रेयस की शानदार सेंचुरी और फिर आया शमी का 7 विकेट्स वाला स्पैल। कुछ ऐसा था भारत और न्यूजीलैंड सेमीफाइनल मुकाबला। जिसमें इन खिलाड़ियों का अहम रोल था। सेमीफाइनल मैच के बाद टीम मैनेजमेंट ने गिल को मीडिया से बात करने भेजा। जहां गिल ने रोहित और विराट के साथ बल्लेबाजी का अनुभव साझा किया। मीडिया से बात के दौरान गिल ने कहा कि विराट जब भी मैदान में आते हैं। तो वो कुछ खास करते हैं। गिल ने ये भी कहा कि विराट के बारे में सबसे इन्स्पायरिंग बात ये है कि वो पिछले 10-15 साल से लगातार कुछ स्पेशल करने के लिए ग्राउंड पर आते हैं।

रोहित के साथ गिल का बैटिंग एक्सपीरिएंस

गिल ने रोहित के साथ ओपनिंग के अनुभव बताया। गिल ने कहा कि वो नॉन स्टाइकर एंड पर खड़े रहकर रोहित के आक्रामक खेल को एंजॉय करते हैं।

देशभर में वर्ल्ड कप फाइनल का क्रेज

इंडिया और ऑस्ट्रेलिया एक दूसरे से फाइनल में भिड़ेंगी। फैंस इंडिया के फाइनल में क्वालिफाई करने पर जश्न मना रहा हैं। नाच रहे हैं, पटाखे फोड़ रहे हैं। सबको उम्मीद है इस बार वर्ल्ड कप टीम इंडिया जीतेगी।

कोहली ने 711 रन बनाकर इतिहास रचा, शमी के 23 विकेट; रोहित सिक्सर किंग

भारत ने इतिहास रचते हुए वनडे वर्ल्ड कप फाइनल में जगह बना ली है। टीम को इससे पहले लगातार 2 सेमीफाइनल में हार मिली थी। फाइनल मुकाबला 19 नवंबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा। टीम इंडिया का सामना किससे होगा, ये आज साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाले सेमीफाइनल मैच से तय होगा। विराट कोहली ने सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 117 रन बनाए, यह उनका इस वर्ल्ड कप में तीसरा शतक रहा। इसी के साथ विराट के टूर्नामेंट में 711 रन हो गए, वह एक वर्ल्ड कप में 700 से ज्यादा रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने 7 विकेट लिए और अब 6 ही मैचों में उनके नाम 23 विकेट हो चुके हैं। रोहित शर्मा ने 4 छक्के लगाए और उनके नाम टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा 28 सिक्स हो गए।

टीम के स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को दूसरी बार मिला बेस्ट फील्डर का मेडल

नईदिल्ली, एजेंसी

भारत ने 15 नवंबर को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए वर्ल्ड कप 2023 के पहले सेमीफाइनल मैच में न्यूजीलैंड को हरा दिया। न्यूजीलैंड के खिलाफ टीम के स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को बेस्ट फील्डर का मेडल मिला। उन्हें पिछले बार के मेडल विजेता सूर्यकुमार यादव ने मेडल पहनाया। दरअसल भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने अपनी वेबसाइट और एक्स (ट्विटर) अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है। इसमें भारतीय खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम में नजर आ रहे हैं। टीम इंडिया के फील्डिंग कोच ने टी दिलीप सभी खिलाड़ियों की तारीफ की और मेडल विकेट के नाम की घोषणा की। जडेजा को दूसरी बार बेस्ट फील्डर का मेडल मिला है। इससे पहले उन्हें 19 अक्टूबर को बांग्लादेश के खिलाफ मैच में भी मेडल मिला था।

भारतीय फुटबॉल ने फीफा वर्ल्ड कप एएफसी क्वालिफायर में कुवैत को 1-0 से हराया

भारत के लिए इकलौता गोल मनवीर सिंह ने किया

कुवैत, एजेंसी

भारतीय फुटबॉल ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 एएफसी क्वालिफायर के दूसरे राउंड के ग्रुप ए मैच में कुवैत को 1-0 से हराया। फीफा वर्ल्ड कप क्वालिफायर कुवैत में ही खेला जा रहा है। भारत के लिए इकलौता गोल मनवीर सिंह ने 75वें मिनट में की। वहीं, कुवैत के फैजल ज़ैद अल-हरबी को दूसरे हाफ के स्टॉपेज टाइम में आउट कर दिया गया। भारत फीफा रैंकिंग में 102 वें स्थान पर है, जबकि कुवैत 136वें स्थान पर मौजूद है। पहले हाफ मैच में दोनों टीमें कोई गोल नहीं कर सकी। हालांकि, भारत ने अच्छी शुरुआत की और मैच में अपना दबदबा बनाने की पूरी कोशिश की। भारतीय टीम के पास गोल करने के कई मौके थे, लेकिन उसे वह भुनाने में सफल नहीं हो पाए। भारत के सहल अब्दुल समद के पास 18वें मिनट में पहला बड़ा मौका था लेकिन वह नाकाम रहें। उसके बाद भारतीय कप्तान सुनील छेत्री के पास भी गोल करने का मौका था, पर वे सफल नहीं हो पाए। वहीं 27वें मिनट में महेशा नाओरेम ने फ्री किक से भारत के लिए गोल का मौका बनाया, जिसे आकाश मिश्रा गोल में तब्दील नहीं कर सके। कुवैत के पास भी फ्री किक से गोल हासिल करने का मौका था, पर वह भी असफल रहे। पहले हाफ की समाप्ति तक दोनों टीमें गोल करने में सफल नहीं हो सकी। दूसरे हाफ में कुवैत को फ्री किक के माध्यम से गोल करने का मौका मिला।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

करण जौहर के शो कॉफी विद करण के लेटेस्ट एपिसोड में आलिया भट्ट और करीना कपूर खान साथ नजर आ रहे हैं। दोनों ने शो पर अपनी पर्सनल लाइफ से जुड़ी बातें शेयर कीं। एपिसोड में आलिया ने हस्बैंड और एक्टर रणबीर कपूर की फिल्म 'शमशेरा' के फेलियर पर बात की। उन्होंने बताया कि फिल्म के फ्लॉप होने के बाद रणबीर का रिएक्शन क्या था। शो में एक्टर्स के बॉक्स ऑफिस प्रेशर को हैंडल करने के तरीके पर बात करते हुए करण ने कहा, 'रणबीर सुपर चिल्ड हैं।' इसका जवाब देते हुए आलिया बोलीं, 'आदमियों का अलग ही तरीका होता है। वो पहले खुद इससे डील करते हैं फिर दूसरों से इस बारे में बात करते हैं। पर रणबीर को जब कोई चीज परेशान करती है तो वो हमेशा मुझसे एडवाइज लेते हैं।' करण ने पूछा, 'जब रणबीर की कोई फिल्म अच्छा परफॉर्म नहीं करती तो आप कैसे रिएक्ट करते हो?' इस पर आलिया ने जवाब दिया, 'वो अपनी सक्सेस की तरफ फेलियर को भी पूरी तरह एक्सेप्ट करते हैं। वो दोनों के साथ एक जैसा ही डील करते हैं और बहुत स्ट्रेटफॉरवर्ड रहते हैं।'

घर लौटी तो बोले- फिल्म नहीं चल पाई

आलिया ने आगे कहा- 'मुझे याद है जब 'शमशेरा' फ्लॉप हुई तब मैं रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के शूट पर जा रही थी। मैं उनसे पूछा कि क्या वो ठीक हैं तो उन्होंने कहा हां। इसके बाद उन्होंने अपना पूरा दिन रीडिंग करते हुए बिताया। जब मैं घर वापस लौटी तो वो मेरे साथ बैठे। बोले- 'फिल्म नहीं चल पाई। मैं अगली बार और मेहनत करूंगा और अपना बेस्ट दूंगा.. और बस, यह बात यहीं खत्म हो गई।' शमशेरा में रणबीर ने पहली बार बाप और बेटे का डबल रोल प्ले किया था। शमशेरा का निर्देशन करण मल्होत्रा ने किया था। इसमें रणबीर डबल रोल में नजर आए थे। उनके अलावा फिल्म में संजय दत्त, वाणी कपूर, रोनित रॉय और सौरभ शुक्ला जैसे कलाकार भी थे।

ऋचा कभी इन्सिक्योरिटी जाहिर नहीं करतीं...

ऋचा चड्ढा की हाल ही में आई फिल्म फुकरे 3 ने कमाल का प्रदर्शन किया है। बॉक्स ऑफिस पर भी फिल्म ने अच्छी कमाई की है। ऋचा ने एक इंटरव्यू में बताया कि लोगों को उनकी सक्सेस पर शक था। उन्होंने ये भी कहा कि वे कभी दूसरे एक्टर्स को काटती नहीं हैं। ऋचा ने संजय लीला भंसाली के साथ आने वाली वेब सीरीज हीरामंडी के बारे में भी बात की। जब ऋचा से पूछा गया कि क्या आप शुरू से ऐसे थे कि जब-जब लोगों ने दरकिनार करने की कोशिश की है, तब-तब आपने खुद को साबित करने की कोशिश की है? इस पर ऋचा ने कहा, मुझे लगता है जब मेरा काम बाहर आता है तो खुद ब खुद मैं जो कहना चाहती हूं, वो चीजें बाहर आ जाती है। मैं कभी किसी दूसरे एक्टर को काटती नहीं हूं। कभी इन्सिक्योरिटी जाहिर नहीं करती। अगर किसी ने किसी के साथ कुछ गलत किया हो तो मैं बहुत जल्दी माफ कर देती हूं, लेकिन भूलती नहीं हूं। ऋचा की प्रोफेशनल लाइफ में मजबूत रिश्तें रहे हैं।

रिया बोली- सोशल मीडिया पर सबसे ज्यादा ट्रोल की गई

रिया चक्रवर्ती का कहना है कि उन्हें अभी भी इंडस्ट्री में काम मिलने में दिक्कत हो रही है। प्रोड्यूसर और डायरेक्टर उन्हें अपनी फिल्म में कास्ट करने से बचते हैं, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि ये सारी चीजें जल्द ही सामान्य हो जाएंगी। रिया ने ये भी बताया है कि सोशल मीडिया पर उन्हें बहुत ट्रोल किया जाता है लेकिन परिवार के सपोर्ट से वो इन चीजों का सामना बहादुरी से करती हैं। दरअसल, रिया की गिरफ्तारी सुशांत सिंह की आत्महत्या के बाद ड्रग्स मामले में 8 सितंबर 2020 को हुई थी। उन पर सुशांत तक ड्रग्स पहुंचाने का आरोप था। उन्हें 28 दिन तक बायकुला जेल में रहना पड़ा था। जेल से बाहर आने के बाद वो फिल्म चेहरे में दिखी थीं, जिसे दर्शकों ने खासा पसंद नहीं किया था। मिड डे को दिए इंटरव्यू में रिया ने बताया कि अभी भी उनके मन में डर का शक है, लेकिन उम्मीद है कि सब जल्द ठीक हो जाएगा।

मेट्रो बाजार

स्पोर्ट्स सर्विसेस प्रोवाइड करने वाली कंपनी बनी अमेजन

मुंबई, एजेंसी

अमेजन प्राइम वीडियो ने ड्रीम स्पोर्ट्स की सब्सिडियरी कंपनी फैनकोड के साथ पार्टनरशिप के बाद अपना पहला डेडिकेटेड स्पोर्ट्स चैनल लॉन्च किया है। यह प्राइम वीडियो चैनल क्रिकेट और फुटबॉल समेत दुनिया भर में 15 से ज्यादा स्पोर्ट्स की लाइव स्ट्रीमिंग की पेशकश करेगा। अमेजन ने पहले भी लाइव मैचों को स्ट्रीम किया था। जिसमें न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत के क्रिकेट मैच भी शामिल थे। अमेजन इस सेक्टर में अपने खेल को बेहतर बनाने के प्रयास कर रहा है। फैनकोड के साथ लेटेस्ट पार्टनरशिप के बाद अमेजन अब स्पोर्ट्स सर्विसेस प्रोवाइड करने वाली कंपनी भी बन गई है। जेफ बेजोस की कंपनी के लिए यह एक बड़ा मौका है, जो इस आकर्षक बाजार में एंटर करना चाहती है। खासकर भारत में जहां लाखों खेल प्रशंसक रहते हैं। यहां डिजिटल प्लेटफॉर्म पर एक क्रिकेट गेम में व्यूअरशिप 5 करोड़ के पार भी जा सकती है। फैनकोड के पास कुछ देशों में खेले जाने वाले भारतीय क्रिकेट मैचों को स्ट्रीम करने के को-राइट्स हैं।

अमेजन प्राइम ने कहा, प्रमुख स्पोर्ट्स लीगों और ऑर्गेनाइजेशंस के साथ अपनी पार्टनरशिप के माध्यम से फैनकोड भारत में खेल प्रशंसकों के लिए क्रिकेट, फुटबॉल, कबड्डी, बास्केटबॉल और हॉर्स रेसिंग सहित 15 से ज्यादा स्पोर्ट्स की पेशकश करती है। प्राइम मेंबर्स को 249 में फैनकोड का एनुअल ऐड-ऑन सब्सक्रिप्शन खरीदना होगा।

वोल्वो इंडिया की पावरफुल इलेक्ट्रिक कार लॉन्च

नईदिल्ली। वोल्वो इंडिया ने अपनी पावरफुल इलेक्ट्रिक कार %वोल्वो सी 40 रिचार्ज% को भारत में ऑफिशियल तौर पर बिक्री के लिए लॉन्च कर दिया है। कंपनी ने इस कार की शुरुआती कीमत 61.25 लाख रुपए (एक्स-शोरूम प्राइस) रखी है। वोल्वो का दावा है कि यह कार एक बार फुल चार्ज करने पर 530 किमी चलती है। वहीं इस कार को 80व तक चार्ज होने में सिर्फ 27 मिनट का समय लगता है। कंपनी के इंडियन लाइनअप में वोल्वो सी 40 रिचार्ज दूसरी प्योर इलेक्ट्रिक कार है। इस इलेक्ट्रिक की ऑफिशियल बुकिंग भी शुरू की जा चुकी है। जिसे कस्टमर्स कंपनी की ऑफिशियल वेबसाइट और डीलरशिप से भी बुक कर सकते हैं। इसकी डिलीवरी अगले कुछ हफ्तों में शुरू की जाएगी। सी 40 रिचार्ज का मुकाबला हुंडई आयोनिक-5 समेत इन कारों से होगा

वोल्वो सी 40 रिचार्ज, एक्स सी 40 रिचार्ज का ही कूपे स्टाइल वर्जन है। प्रीमियम इलेक्ट्रिक व्हीकल सेगमेंट में वोल्वो सी 40 का मुकाबला हुंडई आयोनिक 5, किया ईवी और वोल्वो एक्स सी 40 रिचार्ज से होगा।

आज शाम लाल परेड मैदान के आसपास रहेगा यातायात प्रभावित

भोपाल, दोपहर मेट्रो

विधानसभा चुनाव में मतदान के बाद मतदान दल मत पेटियों के साथ वापस लाल परेड मैदान लौटेंगे। इस दौरान शुक्रवार शाम 4 बजे से लाल परेड मैदान के आसपास आम यातायात परिवर्तित रहेगा। इस दौरान भारी वाहनों का प्रवेश भी प्रतिबंधित रहेगा।

17 नवंबर को शाम 4 बजे से यातायात परिवर्तित

डीबी मॉल तिराहे से जेल मुख्यालय रोटरी होकर कंट्रोल रूम तिराहे की ओर जाने वाला सामान्य यातायात जीप-कार से मैदा मिल, जिंसी धर्मकांटा होकर पुराने भोपाल की ओर जाएंगे। इसी तरह से पुलिस मुख्यालय तिराहे से पुराना पुलिस कंट्रोल रूम होकर गांधी पार्क तिराहा, रोशनपुरा की ओर सामान्य यातायात प्रतिबंधित रहेगा। पुराना मछलीघर तिराहे से गांधीपार्क तिराहे की ओर भी आवागमन प्रतिबंधित रहेगा।

इस मार्ग से होगा वाहनों का आवागमन

रोशनपुरा से भारत टाकीज की ओर जाने वाले दोपहिया एवं चार पहिया वाहन बाणगंगा, मछलीघर, खटलापुरा, पीएचक्यू तिराहा, लिली टॉकीज होकर आना-जाना करेंगे। टीटी नगर से रेलवे स्टेशन, बस स्टैण्ड की ओर जाने वाली मिनी बसें एवं बड़ी बसें अपैक्स बैंक, लिंक रोड नंबर-1 से होते हुये बोर्ड आफिस चौराहा, मैदा मिल, जिंसी धर्मकॉटा, ऐशबाग फाटक से होकर भारत टॉकीज होते आवागमन करेंगे। अनुमति प्राप्त सभी प्रकार के भारी वाहन और माल वाहक वाहनों का प्रवेश लाल परेड मैदान की तरफ पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा।

मतदान में शामिल होने वाली बसों की पार्किंग

- मतदान दलों को ले जाने वाली बसों की पार्किंग स्थल लालपरेड मैदान, हार्स रायडिंग मैदान एवं एमव्हीएम कॉलेज मैदान में की जाएगी। मतदान सामग्री कार्य में संलग्न वरिष्ठ अधिकारियों के वाहन मोतीलाल स्टेडियम के सामने आम बगिया, आईटीआई ग्राउण्ड एवं बैंड स्कूल में पार्क किए जाएंगे।
- अन्य कर्मचारियों के दोपहिया एवं चार पहिया वाहन रूस्तमजी परिसर, एमएलए रेस्ट हाउस परिसर, जेल मुख्यालय मैदान में पार्क किए जाएंगे। पुलिस बल को लाने-ले जाने वाली समस्त बसों की पार्किंग व्यवस्था एमएलए रेस्ट हाउस परिसर में होगी।

हादसा या आत्महत्या रहस्य बरकरार, रिवेयरा लाइट्स की नवीं मंजिल से गिरकर हुई थी बेटी की मौत

एडिशनल डीसीपी की बेटी का हुआ पीएम, पुलिस कमिश्नर ने कहा बारीकी से करें घटनास्थल की जांच

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कमला नगर थाना क्षेत्र स्थित रिवेयरा हाइट्स की नवीं मंजिल से गिरकर एडिशनल डीसीपी कि बेटी की मौत हो गई। आज उसका पीएम कराने के बाद शव परिजन को सौंपा गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस कमिश्नर हरिनारायण चारी मिश्र घटनास्थल पर पहुंच थे। उन्होंने कमला नगर टीआई से घटनास्थल का बारिकी से निरीक्षण करने और जल्द ही सही नतीजे पर पहुंचने की बात कही हैं। उल्लेखनीय है कि महती उर्फ मैत्री (17) चार इमली स्थित शासकीय आवास में अपने माता-पिता के साथ रहती थी। वह प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही थी। गुरुवार शाम वह चार इमली से अपनी दादी को यह कहकर निकली थी की नानी के घर से आती हूं। मैत्री की नानी रिवेयरा हाइट्स कमला नगर में आठवीं मंजिल पर रहती है। मैत्री अपनी नानी के घर पहुंची थी। रात करीब साढ़े 9 बजे वह बिल्डिंग से नीचे गिर गई। वह छत पर थी या फिर बालकनी से गिरी इस बात की अभी जानकारी नहीं मिल सकी है।

बच्चो ने देखा तो फर्श पर पड़ी थी मैत्री

घटना के समय नीचे बच्चे खेल रहे थे। उन्होंने तेज आवाज सुनी और मौके पर पहुंचे थे। इस दौरान उन्हें मैत्री पड़ी हुई नजर आई। घटना की जानकारी बच्चों ने परिजन को दी थी। इसके बाद पुलिस और परिजनों तक घटना की जानकारी पहुंची।

सीहोर ड्यूटी में है माता-पिता

मैत्री के पिता संदीप दीक्षित यातायात विभाग में एडिशनल डीसीपी रह चुके हैं। जबकि मां शालिनी दीक्षित एडिशनल डीसीपी जोन 3 है। माता-पिता चुनाव ड्यूटी में फिलहाल सीहोर में थे। घटना की जानकारी मिलते ही वह भोपाल पहुंच गए हैं। इधर घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस कमिश्नर हरि नारायण चारी मिश्र भी मौके पर पहुंचे थे। उन्होंने कमला नगर टी को मामले की बारीकी से जांच करने के आदेश दिए हैं।

शादी के एक साल बाद ही नव विवाहिता ने फांसी लगाकर दी जान

भोपाल। शाहजहांनाबाद स्थित कुम्हारपुरा में नव विवाहिता ने बीती रात फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। फांसी के फंदे पर लटका देख पति उसे हमदिया अस्पताल लेकर पहुंचा?था, वहां डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में ही उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार रानी पति आनंद ओसवाल (19) ईदगाह हिल्स मल्टी की रहने वाली थी। एक साल पहले ही उसकी शादी आनंद ओसवाल से हुई?थी। आनंद ओसवाल प्राइवेट काम करता है। उसने पुलिस को बताया कि बीती रात रानी और उसने खाना खाया और सो रहे थे। रात करीब तीन बजे के आसपास रानी ने फांसी लगा ली। फांसी के फंदे पर लटका देख आनंद उसे तत्काल फंदे से उतारकर हमीदिया अस्पताल ले गया, वहां डॉक्टर ने रानी को मृत घोषित करते हुए पुलिस को सूचना दी थी। पुलिस का कहना है कि आज पीएम के बाद परिजन के बयान दर्ज किए जाएगे।

तबलीगी इज्तिमा को लेकर भोपाल स्टेशन पर तैयारियां तेज, हेल्प डेस्क व चिकित्सा बूथ बनाए

भोपाल, दोपहर मेट्रो

तबलीगी इज्तिमा को लेकर भोपाल रेलवे स्टेशन पर तैयारियां तेज कर दी है। स्टेशन पर हेल्प् डेस्क और चिकित्सा बूथ बनाए है। अतिरिक्त् टिकट काउंटर भी खोले जाएंगे। इसको लेकर भी तैयारियां अंतिम चरण में हैं। साफ-सफाई व्यवस्था बेहतर की जा रही है। सुरक्षा के लिए आरपीएफ व जीआरपी को नए सिरे से जिम्मेदारी दी गई है। इन सभी सुविधाओं का डीआरएम देवाशीष त्रिपाठी ने भी जायजा लिया है।

रेलवे के अधिकारियों ने दावा किया कि भोपाल मण्डल के सभी रेलवे स्टेशनों पर भीड़ नियंत्रण की व्यवस्था की गई है। व्यवस्था को सुचारु रूप से नियंत्रित करने के लिए स्टेशनों पर जीआरपी और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के कर्मचारियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों को तैनात किया गया है। प्रमुख स्टेशनों पर सीसीटीवी नियंत्रण कक्ष स्थापित किए गए है। स्पेशल ट्रेनों संबंध में उद्घोषणा सुनिश्चित की जा रही है ताकि यात्रियों को कोचों के स्थान और उस प्लेटफार्म के बारे में पता चल सके। लंबी दूरी की ट्रेनों में यात्रा करने वाली महिला यात्रियों को सहायता प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण ट्रेनों में महिला एवं पुरुष एस्कार्ट तैनात किए गए है। स्टेशनों पर मैं आई हेल्प यू, हेल्प डेस्क सहयोग बूथ बनाया गया है। प्रमुख स्टेशनों पर अतिरिक्त टिकट काउंटर खोले गए हैं। साथ ही चिकित्सा सहायता बूथ बनाए गए है।

पंद्रह साल के नाबालिग ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

घर के पास लगा झंडा निकालने पर पड़ोसी ने की थी परिजन से शिकायत, पिता की फटकार और पिटाई से दुखी होकर लगा ली फांसी

भोपाल। छोला मंदिर?थाना क्षेत्र में पंद्रह साल के नाबालिग ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है। आज शव का पीएम कराने के बाद परिजन को सौंप जाएगा। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई कि उसने पड़ोसी के घर के पास लगा झंडा निकाल लिया था और पड़ोसी ने उसकी शिकायत परिजन से की थी। परिजन ने उसे फटकार लगाई तो गुस्से में उसने फांसी लगा ली।

एसआई महेश सरेयाम ने बताया कि मोहित पिता विनोद (15) शंकर नगर छोला में रहता?था और दसवीं कक्षा में पढ़ता था। उसके पिता प्राइवेट काम करते हैं। मोहित थोड़ा शरारती था। गुरुवार को उसने पड़ोसी के घर के पास लगा झंडा निकाल लिया। झंडा निकालने से पड़ोसी ने नाराजगी जताते हुए मोहित के परिजन को शिकायत की। मोहित के पिता विनोद ने मोहित को ऐसा दौबारा न करने की हिदायत देते हुए पिटाई कर दी थी।

कमरे में लगाई फांसी

पिता की फटकार और मारपीट से दुखी मोहित ने खुद को कमरे में बंद कर लिया था। परिजन ने किसी तरह कमरे का दरवाजा खोला तो मोहित फांसी के फंद पर लटका मिला। उसे परिजन हमीदिया अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में ही मोहित को मृत घोषित कर दिया।

उड़ानों पर पड़ने लगा दृश्यता कम होने का असर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

दिल्ली से भोपाल के गांधी नगर एयरपोर्ट आने वाली उड़ानों पर कम दृश्यता का असर पड़ने लगा है। इन उड़ानों को डायवर्ट तक करना पड़ रहा है। जिसके कारण यात्रियों की परेशानी बढ़ गई है।

गुरुवार को कुछ ऐसा ही हुआ। मुंबई से भोपाल आने वाली इंडिगो की शाम की उड़ान आधे घंटे की देरी से पहुंची। उड़ान रात्रि 9 बजे के बजाय 9.30 बजे भोपाल में लैंड हुई। वहीं इंटरनेशनल एयरपोर्ट लखनऊ से दिल्ली को रवाना हुई इंडिगो की उड़ान जयपुर डायवर्ट करनी पड़ी। एयरपोर्ट प्रबंधन से मिली जानकारी के मुताबिक दिल्ली में विजिबिलिटी कम थी, इस कारण इसे जयपुर डायवर्ट कर किया गया।

दो दिन पहले घर से निकले बुजुर्ग व्यक्ति की सड़क किनारे खाई में पड़ी मिली लाश

भोपाल। रातीबड़ पुलिस ने दो दिन पहले घर से निकले एक बुजुर्ग व्यक्ति की सड़क किनारे खाई से लाश बरामद की। अनुमान है कि वह हादसे का शिकार हुए होंगे। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराने के बाद लाश परिजन को सौंप दी है। पुलिस का अनुमान है कि वह हादसे का शिकार हुए होंगे।

पुलिस के मुताबिक मौजीलाल धानक (65) सूरज नगर में रहते थे। उनका एक बेटा सेना में नौकरी करता है, जबकि दूसरा बेटा कोर्ट में कार्यरत है। मौजीलाल पेंटिंग आदि की ठेके लिया करते थे। वह कई बार नाते-रिश्तेदारों के यहां चले जाते थे और दो-चार दिनों में वापस लौट आते थे। दीपावली के दूसरे दिन मौजीलाल औबेदुल्लागंज जाने का कहकर घर से निकले थे, लेकिन वहां नहीं पहुंचे। गुरुवार सुबह भदभदा चौकी से सूरज नगर तिराहे की तरफ जाने वाली सड़क किनारे गहरी खाई में उनकी लाश पड़ी मिली। शरीर बाउंड्री वाल से टकराने से चोट आई थी। अनुमान है कि वह नशे की हालत में बाउंड्री पर बैठे होंगे अथवा लुघशंका आदि करने के लिए गए होंगे, तभी नीचे जा गिरे, जिससे उनकी मौत हो गई। परिजनों ने पुलिस को बताया कि उनकी नजर भी कुछ कमजोर हो गई थी। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराने के बाद लाश परिजन को सौंप दी है।

नवबंर में शुरू होनी थी परीक्षा, अब तक नामांकन ही पूरा नहीं, बदलनी पड़ेगी परीक्षा की तारीख

भोपाल। बीयू को बार-बार परीक्षाओं की तारीखों में बदलाव करना पड़ रहा है। इसका असर विद्यार्थियों पर पड़ रहा है। जिसके कारण पढ़ाई प्रभावित हो रही है। हाल ही में बीयू प्रबंधन ने मप्र विधानसभा चुनाव को देखते हुए कुछ सेमेस्टरों की परीक्षाओं की तारीखों में बदलाव किया था। एक बार इस तरह की नौबत फिर बन सकती है। असल में पीजी प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों के नामांकन काम अब तक पूरा नहीं हुआ है जबकि नवंबर माह में इन विद्यार्थियों को पहले सेमेस्टर की परीक्षाएं देनी थी। इसका उल्लेख शैक्षणिक कैलेंडर में था लेकिन प्रबंधन ने अब तक परीक्षा की समय-सारिणी जारी नहीं की है।

मेट्रो एंकर | **एम्स अपने मरीजों के लिए नित नई सुविधाएं शुरू**

मरीजों के लिए परिसर में एम्स चला रहा निशुल्क बैटरी चलित गाड़ी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल एम्स अपने मरीजों के लिए नित नई सुविधाएं शुरू कर रहा है। अब एम्स प्रबंधन ने बैटरी चलित गाड़ी शुरू की है जो परिसर के भीतर मरीजों को ओपीडी-आईपीडी तक पहुंचाने के लिए निःशुल्क सेवाएं दे रही है।

भोपाल एम्स के कार्यपालक निदेशक प्रो डॉ अजय सिंह का कहना है कि उन्होंने मरीजों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह सेवा शुरू कराई है। इस वाहन में एक समय में लगभग दस मरीज बैठ सकेंगे। यह सुविधा एम्स परिसर में पार्किंग स्थान से शुरू होगी। जिससे कि मरीजों को अपना वाहन लेकर ओपीडी या आईपीडी तक न जाना पड़े। मरीज के परिजन अपने वाहन अथवा टैक्सी इत्यादि को पार्किंग स्थल पर ही छोड़ सकेंगे और वहां से बैटरी से चलने वाले वाहन का उपयोग करके वह ओपीडी या आईपीडी जहां भी जाना चाहे इस बैटरी चलित वाहन के द्वारा जा सकते हैं। उल्लेखनीय है कि एम्स में प्रतिदिन लगभग 4 हजार से अधिक मरीज विभिन्न विभागों में अपना इलाज कराने के लिए आते है।

वोट डालने के लिए अवकाश नहीं दिया तो होगी कार्यवाही

भोपाल। विधानसभा चुनाव के लिए वोटिंग शुरू हो चुकी है, जो शाम तक चलेगी। निर्वाचन आयोग की पहल रही है कि सभी केंद्रों पर अधिक से अधिक मतदान हो। इसके लिए प्रयास भी किए गए हैं। समाज में जागरूकता लाने, मतदाताओं को उनकी जिम्मेदारी का अहसास कराने के लिए रैलियां, सामूहिक दौड़ और अन्य कार्यक्रम किए है। यही नहीं, अधिक मतदान प्रतिशत के लिए बीएलओ और सेक्टर अधिकारियों को पुरुस्कार देने की घोषणाएं भी हुई हैं। इस बीच भोपाल जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर आशीष सिंह ने चेतावनी दी है कि मतदान के दिन किसी भी संस्था, फैक्ट्री, कारखाना एवं ऐसे संस्थान जहां बड़े पैमाने पर कर्मचारी कार्यरत हैं, वहां मतदान के लिए सवैतनिक अवकाश दिया जाए। ऐसा नहीं दिए करने पर जिला प्रशासन द्वारा सख्त कार्यवाही की जाएगी।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022